राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 11 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-142 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

14 जुलाई को दो दिवसीय दौरे पर ओडिशा आएंगी राष्ट्रपति मुर्मू

भुवनेश्वर।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 14 जुलाई को दो दिवसीय दौरे पर ओडिशा आ रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान राष्ट्रपति अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भुवनेश्वर और कटक स्थित रावेनशॉ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोहों में भाग लेंगी। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि मुर्मू रावेनशॉ गर्ल्स हाईस्कूल में विकास कार्यों की आधारशिला रखेंगी, आदिकवि सरला दास के 600वीं जयंती समारोह में हिस्सा लेने कटक जाएंगी और कलिंग रत्न पुरस्कार 2024 के विजेताओं को सम्मानित करेंगी। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति 15 जुलाई की शाम को वापस नई दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगी। राष्ट्रपति के दौरे की तैयारियों का जायजा लेने मुख्य सचिव मनोज आहूजा ने एक उच्चस्तरीय बैठक की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति के स्वागत और विदाई के लिए उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को राजभवन में अस्थायी आवास का इंतजाम करने, सुरक्षा बढ़ाने, आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था करने और आयोजन स्थलों पर निर्बाध बिजली आपूर्ति तय करने को भी कहा है।

तेजस एमके1ए में लगेगी अस्त्र मिसाइल, अगस्त में होगा ट्रायल

यह भारत की पहली स्वदेशी बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइल है

नई दिल्ली।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (हेल) अगस्त में भारत का अत्याधुनिक लड़ाकू विमान तेजस एमके1ए अपने पहले लाइव फायरिंग ट्रायल में अस्त्र एमके1 मिसाइल का परीक्षण करेगा। यह मिसाइल बियॉन्ड विजुअल रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल श्रेणी की है, जो दुश्मन के विमान को दूर से मार गिराएगी। यह परीक्षण लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट कार्यक्रम के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगी। तेजस एमके1ए भारतीय वायुसेना के लिए एक 4.5 पीढ़ी का मल्टी-रोल लड़ाकू विमान है। इसे एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) ने डिज़ाइन किया है और हेल इसका निर्माण कर रही है। यह विमान पुराने मिग-21, मिग-23 और मिग-27 जैसे लड़ाकू विमानों की जगह ले रहे हैं। तेजस एमके1ए में कुल 40 से ज्यादा तकनीकी सुधार किए गए हैं। इसकी खासियत है कि यह हल्का और फुर्तीला डिज़ाइन, बेहतर एवियोनिक्स और हथियार प्रणाली, लंबी रेंज और ज्यादा गतिशीलता, ऑटोमैटिक फॉल्ट डिटेक्शन सिस्टम अस्त्र एमके1 भारत की पहली स्वदेशी बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइल है, जिसे डीआरडीओ ने विकसित किया है। इसकी रेंज 80 से 110 किलोमीटर तक है, सुपरसोनिक स्पीड (मच 4.5 तक) इसमें गाइडेंस सिस्टम लगा है जो एक्टिव रडार होमिंग है। यह लक्ष्य पर सटीक वार, दुश्मन की इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग को मात देने की क्षमता है। इस मिसाइल के तेजस से जुड़ने के बाद भारतीय वायुसेना को बिना नजर में आए दुश्मन के विमान को नष्ट करने की ताकत मिल जाएगी। तेजस एमके1ए में इज़राइल की विकसित अत्याधुनिक ईएलएम-2052 एईएसए रडार लगाया गया है, जो विमान की निगरानी और लक्ष्य पर नियंत्रण को बेहद मजबूत बनाता है। इसमें कई लक्ष्यों को एकसाथ ट्रैक करने की क्षमता है। पुराने ईएलएम-2032 रडार की तुलना में कई गुना ज्यादा शक्तिशाली है। तेजस एमके1ए और अस्त्र एमके1 के संयोजन से भारतीय वायुसेना न केवल तकनीकी रूप से उन्नत होगी, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की ओर एक ठोस कदम भी बढ़ाएगी। स्वदेशी तकनीक का यह समन्वय भारत को रक्षा क्षेत्र में रणनीतिक स्वतंत्रता देने वाला साबित हो सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी पांच देशों की सफल यात्रा कर स्वदेश वापस आए, चार देशों ने दिया सर्वोच्च नागरिक सम्मान

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार सुबह आठ दिवसीय विदेश यात्रा के बाद स्वदेश लौट आए। उन्होंने 2 से 9 जुलाई तक अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के पांच देशों–घाना, त्रिनिदाद एवं टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया–का दौरा किया। इस दौरान उन्हें चार देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया।

पीएम मोदी की यह यात्रा 'ग्लोबल साउथ' के साथ भारत के संबंधों को और प्रगाढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रही। पीएम मोदी ने तीन अफ्रीकी देशों–घाना, त्रिनिदाद और नामीबिया–का दौरा किया, जिनकी भौगोलिक और रणनीतिक स्थिति भारत के वैश्विक दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण मानी जाती है।

घाना में ऐतिहासिक स्वागत और सर्वोच्च सम्मान

प्रधानमंत्री मोदी का दौरा घाना से शुरू हुआ, जो किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 30 वर्षों में पहली यात्रा थी। उन्होंने राष्ट्रपति जॉन महामा और उपराष्ट्रपति नाना जेन ओपोकु-अग्येमांग से मुलाकात की। दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को अगले पांच वर्षों में दोगुना करने का लक्ष्य तय किया। पीएम मोदी को घाना का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' प्रदान किया गया।

त्रिनिदाद में भारतीय विरासत का उत्सव

त्रिनिदाद एवं टोबैगो की 1999 के बाद यह पहली भारतीय प्रधानमंत्री की द्विपक्षीय यात्रा थी। इस वर्ष वहां भारतीय प्रवासियों के आगमन की 180वीं वर्षगांठ भी मनाई जा रही है। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू और प्रधानमंत्री कमला बिसेसर से मुलाकात की। यहां भी उन्हें देश का सर्वोच्च सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद एंड टोबैगो' से नवाजा गया।

अर्जेंटीना में आर्थिक सहयोग पर फोकस

बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी की अर्जेंटीना यात्रा 57 वर्षों बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा रही है। उन्होंने राष्ट्रपति जेवियर माइली से मुलाकात कर कृषि, ऊर्जा, व्यापार और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत की भागीदारी

ब्राजील के रियो डी जनेरियो में पीएम मोदी ने 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया और ब्रासीलिया में राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा से द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों नेताओं ने रक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा और व्यापार सहयोग पर चर्चा की।

नामीबिया में भारतीय मूल्यों की सराहना

प्रधानमंत्री मोदी के इस विदेशी दौरे का अंतिम चरण नामीबिया रहा, जहां 27 वर्षों बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने राजकीय यात्रा की। राष्ट्रपति नेटुम्बो नांदी-न्डैतवाह ने प्रधानमंत्री मोदी को 'ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एंशिएंट वेल्विच्चिया मिराबिलिस' से सम्मानित किया।

सुबह-सुबह दिल्ली-एनसीआर में लगे भूकंप के तेज झटके

नई दिल्ली।

दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। सुबह 9:04 बजे आए इस भूकंप को लेकर राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने कहा कि इसका केंद्र झज्जर में था। जमीन के अंदर 10 किलोमीटर की गहराई पर यह हलचल हुई। पूरे हरियाणा, पंजाब के कुछ हिस्से और दिल्ली-एनसीआर में भूकंप का झटका महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.4 मापी गई है। फिलहाल कहीं से किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है।

दिल्ली-एनसीआर की ऊंची इमारतों में झटका अधिक महसूस किया गया। कंपन इतनी तेज थी कि लोग घरों से बाहर निकल आए। गुरुग्राम से नोएडा तक लोग खुले स्थानों पर निकल आए। फरीदाबाद, गाजियाबाद, दिल्ली समेत एनसीआर के सभी हिस्सों में कई सेकेंड तक झटके लगे। गनीमत है कि भूकंप कि तीव्रता मध्यम दर्जे की थी। 5 से कम दर्जे के भूकंप में आमतौर पर नुकसान की आशंका नहीं होती है।

बता दें कि जब भी भूकंप के झटके लगें तत्काल सुरक्षित जगह तलाशें और शांत रहें, घबराएं नहीं घबराने से निर्णय लेने की क्षमता कम हो जाती है। सुरक्षित जगह जैसे टेबल के नीचे, मजबूत फर्नीचर के नीचे छुपें और सिर को हाथों से ढकें। खिड़की, शीशे, पंखे, दीवार से दूर रहें ये टूटकर गिर सकती हैं और आपको नुकसान हो सकता है। अगर आप बाहर हैं - इमारत, बिजली के खंभे, पेड़ आदि से दूर खुले स्थान में खड़े रहें। गाड़ी चला रहे हैं तो गाड़ी को धीरे से रोकें और अंदर ही सुरक्षित रहें जब तक झटके बंद न हों।

राजस्थान में बैंक कर्मचारियों पर लगा 1800 करोड़ रुपये की साइबर ठगी करने का आरोप

सांसद राजकुमार रोत ने डीजीपी को लिखा खत

जयपुर।

बांसवाड़ा-डूंगरपुर से भारत आदिवासी पार्टी के सांसद राजकुमार रोत ने राजस्थान में 1800 करोड़ रुपये की साइबर ठगी करने का आरोप लगाया है। सांसद ने इस बारे में राजस्थान पुलिस के मुखिया डीजीपी को पत्र लिखा है। इसमें आदिवासी क्षेत्र के 500 से ज्यादा छात्रों और उनके परिवार वालों के बैंक खाते खोलकर उनके द्वारा 1800 करोड़ की साइबर ठगी ओर फर्जी लेनदेन के आरोप लगाए गए हैं। सांसद ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कर न्याय दिलाने की मांग की है। सांसद रोत ने बताया कि इसमें डूंगरपुर जिले में इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र सहित अन्य बैंकों के कर्मचारियों की संलिप्तता सामने आई है। बैंककर्मियों ने कॉलेजों में जाकर छात्रों और उनके परिजनों को यह कहकर बरगलाया कि बैंक खातों के जरिये उन्हें पैन कार्ड, छात्रवृत्ति, शिक्षा ऋण और सरकारी योजनाओं के तहत सुविधाएं उपलब्ध होगी। इसी बहाने उनके दस्तावेज आधार कार्ड, फोटो और हस्ताक्षर लेकर फर्जी बैंक खाते खोले गए। फिर इन खातों का इस्तेमाल अवैध लेन-देन में हुआ। रोत के मुताबिक जब छात्रों ने अपने खातों के एटीएम कार्ड मांगे, तब बैंक कर्मचारियों ने तकनीकी कारणों का हवाला देकर टालमटोल शुरू कर दिया। इसका पता तब चला जब छात्र ओर उनके परिजन बैंक पहुंचे। उन्होंने उनके खातों से अवैध लेनदेन की बात सामने आई। रोत का दावा है कि बैंक प्रबंधन ने कर्मचारियों को हटाने की बात कही है। सांसद रोत ने बताया कि ये सभी छात्र गरीब आदिवासी परिवारों से आते हैं और उनके साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन असली अपराधियों की गिरफ्तारी के बजाय पीड़ितों को परेशान कर रही है। सांसद ने बताया कि यह घोटाला सिर्फ डूंगरपुर तक सीमित नहीं है बल्कि बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, उदयपुर और दक्षिण राजस्थान के अन्य जिलों में भी इसी तरह के मामले सामने आ रहे हैं।

दिल्ली-एनसीआर में सड़कों पर तैरने लगी कारें, रुद्रप्रयाग में सड़क पर गिरा पहाड़

लगातार बारिश से देश कई राज्यों में हालात बदतर, चारधाम यात्रा भी रोकी

नई दिल्ली।

दिल्ली-एनसीआर में बीते 12 घंटे से तेज बारिश जारी है। बुधवार शाम हुई बारिश के बाद दिल्ली और गुरुग्राम की सड़कों पर बाढ़ जैसे हालात हैं। गाड़ियां पानी में तैरती नजर आईं। कई इलाकों में लोग पानी में डूब गए। घरों में पानी भर गया है। वहीं उत्तराखंड में बारिश के चलते कई जगहों में लैंडस्लाइड हुई है। रुद्रप्रयाग में बद्रीनाथ रोड पर पहाड़ गिर गया। दिल्ली और गुरुग्राम में आज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

बुधवार शाम हुई तेज बारिश के बाद शहर की अधिकतर सड़कों पर पानी भर गया। गुरुग्राम सेक्टर 6 में शीतला माता मंदिर के पास गाड़ियां पानी में तैरती नजर आईं। दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे के नरसिंहपुर के नजदीक सर्विस लेन पर 2 फुट तक पानी भर गया।

उत्तराखंड में मानसून सीजन में अब तक 22फीसदी से ज्यादा बारिश हुई है। राज्यभर के अलग-अलग जगहों पर लैंडस्लाइड की घटनाएं हुईं। सड़कें बंद को गईं। इसके चलते चारधाम यात्रा रोक दी गई है।

बुधवार को रुद्रप्रयाग से बद्रीनाथ जाने वाले रूट पर लैंडस्लाइड हो गया। सड़क पर गाड़ियों की आवाजाही बंद है। पहाड़ से गिरे मलबे को हटाने का काम जारी है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले कुछ दिनों तक उत्तराखंड में बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। नागपुर में तेज बारिश, 71 गांव का जिला मुख्यालय से संपर्क टूटा महाराष्ट्र के नागपुर में तेज बारिश के कारण 71 गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूटा गया। बोरगांव में 35 साल का युवक उफनते नाले में बह गया। उप्पलवाड़ी में भी 18 साल के लड़के की मौत हो गई।

दिल्ली में तेज बारिश ...गुरुग्राम में 90 मिनट में 103 एमएम बारिश,

नागपुर में 71 गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूटा...मप्र-हरियाणा में नदी में डूबने से 6 बच्चों की मौत

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ।

दिल्ली-एनसीआर में तेज बारिश के कारण दिल्ली की कई सड़कों पर पानी भर गया और घंटों तक ट्रैफिक जाम रहा। गुरुग्राम की सड़कों पर बाढ़ जैसे हालात बन गए। गाडियां पानी में तैरती दिखीं। सड़कों पर चल रहे लोगों की कमर के ऊपर तक पानी पहुंच गया। गुरुग्राम में 90 मिनट में 103 एमएम बारिश हुई। बीते 12 घंटे में 133 एमएएम बारिश दर्ज की गई है। गुरुग्राम जिला प्रशासन ने एडवाइजरी जारी कर सभी कॉर्पोरेट ऑफिस और प्राइवेट इंस्टीट्यूट से अपने कर्मचारियों को वर्क फॉर्म होम देने की सलाह दी है। इधर मप्र के जबलपुर, रीवा, शहडोल, सागर समेत कई जिलों में बाढ़ के हालात हैं। मप्र में नदी में बहने से 3 बच्चों की मौत हो गई। वहीं हरियाणा के कैथल में तालाब में नहाने गए 3 बच्चों की डूबने से जान चली गई। महाराष्ट्र के नागपुर में तेज बारिश के कारण 71 गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है।

भारत को आपके साथ खड़े होने पर गर्व है, सिर्फ शब्दों में ही नहीं, बल्कि कार्यों में भी - नामीबिया की संसद में बोले मोदी

विंडहुक।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नामीबिया की संसद को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र के मंदिर, इस गरिमामय सदन को संबोधित करना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है। मुझे यह सम्मान देने के लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। मैं आपके समक्ष लोकतंत्र की जननी के प्रतिनिधि के रूप में खड़ा हूं और मैं अपने साथ भारत के 1.4 अरब लोगों की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं लाया हूं। नामीबिया की संसद को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कुछ महीने पहले, आपने एक ऐतिहासिक क्षण का जश्न मनाया, नामीबिया ने अपनी पहली महिला राष्ट्रपति चुनी। हम आपके गर्व और खुशी को समझते हैं और साझा करते हैं क्योंकि भारत में, हम भी गर्व से मैडम प्रेसिडेंट कहते हैं। यह भारत के संविधान की शक्ति है कि एक गरीब आदिवासी परिवार की बेटी दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की राष्ट्रपति है। यह संविधान की शक्ति है जिसने मुझ जैसे व्यक्ति को, जो एक गरीब परिवार में पैदा हुआ, तीन बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर दिया। जिनके पास कुछ नहीं है, उनके पास संविधान की गारंटी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत के लोग आपके मुक्ति संग्राम के दौरान नामीबिया के साथ गर्व से खड़े थे। हमारी अपनी आज़ादी से पहले भी, भारत ने संयुक्त राष्ट्र में दक्षिण पश्चिम अफ्रीका का मुद्दा उठाया था। नामीबिया में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना का नेतृत्व भारतीय लेफ्टिनेंट जनरल दीवान प्रेम चंद ने किया था। भारत को आपके साथ खड़े होने पर गर्व है, सिर्फ शब्दों में ही नहीं, बल्कि कार्यों में भी।

आए दिन हो रही घटनाएं भ्रष्टाचार और सरकार चलाने की क्षमता में कमी का नतीजा

वडोदरा में पुल गिरने की घटना को लेकर खड़गे ने बीजेपी पर लगाए आरोप

नई दिल्ली।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुजरात के वडोदरा में एक पुल ढह जाने की घटना का हवाला देते हुए गुरुवार को आरोप लगाया कि सिर्फ भाषण और विज्ञापनबाज़ी में व्यस्त बीजेपी नेतृत्व और सरकार उदासीनता की सारी हदें पार कर चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि यह नेतृत्व संकट, चौतरफा भ्रष्टाचार और सरकार चलाने की क्षमता में कमी का नतीजा है।

जानकारी के मुताबिक वडोदरा में बुधवार सुबह करीब चार दशक पुराने पुल का कुछ हिस्सा ढह गया जिसमें कई लोगों की मौत हो गई। खड़गे ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि देश में आए दिन दुर्घटनाएं होना आम बात हो गई हैं। कभी रेल दुर्घटना, कहीं उद्घाटन के साथ ही पुल में दरार आना। अभी अहमदाबाद विमान दुर्घटना के हादसे से देश उबर भी नहीं पाया है कि बुधवार को गुजरात से पुल ढहने की खबर आ गई। 13 मासूम जानें चली गईं। उन्होंने पीड़ितों के परिजन के प्रति संवेदना प्रकट की।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि ख़बरों के मुताबिक तीन साल पहले ही पुल हिलने से खतरनाक स्थिति की बात कही गई थी। फिर भी कुछ नहीं किया गया। 2021 से यह गुजरात में पुल गिरने की सातवीं घटना है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे देश में शासन के नाम पर केवल भाषण और विज्ञापनबाज़ी में व्यस्त बीजेपी नेतृत्व और सरकार उदासीनता की सारी हदें पार कर चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि यह नेतृत्व संकट, चौतरफा भ्रष्टाचार और सरकार चलाने की क्षमता में कमी, और अक्षमता का नतीजा है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है देश की जनता इसे देख रही है और समय आने पर इसका माकूल जवाब देगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जनसंख्या नीति नहीं, जनजागरूकता है असली समाधान

आज देश की बहुत बड़ी आबादी निम्न स्तर का जीवन जीने को विवश है। देश में करीब 40 प्रतिशत आबादी आजादी के बाद से ही गरीबी के आलम में जी रही है। गरीबी में जीवन गुजार रहे ऐसे बहुत से लोगों की यही सोच रही है कि उनके यहां जितने ज्यादा बच्चे होंगे, उतने ही ज्यादा कमाने वाले हाथ होंगे किन्तु यह सोच वास्तविकता के धरातल से परे है। लगातार बढ़ती महंगाई के जमाने में परिवार बड़ा होने से कमाने वाले हाथ ज्यादा होने पर जितनी आय बढ़ती है, उससे कहीं ज्यादा जरूरतें और विभिन्न उत्पादों की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिनकी पूर्ति कर पाना सामर्थ्य से परे हो जाता है।

(लेखक- - योगेश कुमार गोयल / ईएमएस)

- बढ़ती आबादी के निरंतर बढ़ते खतरे

(विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई) पर विशेष)

जनसंख्या संबंधित समस्याओं पर वैश्विक चेतना जागृत करने के लिए प्रतिवर्ष 11 जुलाई को 'विश्व जनसंख्या दिवस' मनाया जाता है। भारत के संदर्भ में देखें तो तेजी से बढ़ती आबादी के कारण ही हम सभी तक शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों को पहुंचाने में पिछड़ रहे हैं। बढ़ती आबादी की वजह से ही देश में बेरोजगारी की समस्या विकराल हो चुकी है। हालांकि विगत दशकों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नए रोजगार जुटाने के कार्यक्रम चलाए गए लेकिन बढ़ती आबादी के कारण ये सभी कार्यक्रम 'ऊंट के मुंह में जीरा' ही साबित हुए। बढ़ती जनसंख्या के कारण ही देश में आबादी और संसाधनों के बीच असंतुलन बढ़ता जा रहा है। वास्तविकता यही है कि विगत दशकों में देश की जनसंख्या जिस गति से बढ़ी, उस गति से कोई भी सरकार जनता के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने की व्यवस्था करने में सफल हो ही नहीं सकती थी।

आज देश की बहुत बड़ी आबादी निम्न स्तर का जीवन जीने को विवश है। देश में करीब 40 प्रतिशत आबादी आजादी के बाद से ही गरीबी के आलम में जी रही है। गरीबी में जीवन गुजार रहे ऐसे बहुत से लोगों की यही सोच रही है कि उनके यहां जितने ज्यादा बच्चे होंगे, उतने ही ज्यादा कमाने वाले हाथ होंगे किन्तु यह सोच वास्तविकता के धरातल से परे है। लगातार बढ़ती महंगाई के जमाने में परिवार बड़ा होने से कमाने वाले हाथ ज्यादा होने पर जितनी आय बढ़ती है, उससे कहीं ज्यादा जरूरतें और विभिन्न उत्पादों की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिनकी पूर्ति कर पाना सामर्थ्य से परे हो जाता है। इसलिए जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों की सफलता के लिए सर्वाधिक जरूरी यही है कि घोर निर्धनता में जी रहे ऐसे लोगों को परिवार नियोजन कार्यक्रमों के महत्व के बारे में जागरूक करने की ओर खास ध्यान दिया जाए क्योंकि जब तक इस कार्यक्रम में इन लोगों की भागीदारी नहीं होगी, तब तक लक्ष्य की प्राप्ति संभव नहीं है।

देश में जनसंख्या वृद्धि का मुकाबला करने के लिए पिछले काफी समय से कुछ कड़े कानून बनाने की मांग हो रही है लेकिन इस दिशा में कुछ राज्य सरकारें दो से ज्यादा बच्चों वाले परिवारों को सरकारी नौकरी तथा स्थानीय निकाय चुनावों में उम्मीदवारी से अयोग्य अघोषित करने जैसे जिस तरह के उपायों पर विचार कर रही हैं, उन्हें तर्कसंगत नहीं माना जा सकता। हालांकि जनसंख्या वृद्धि मौजूदा समय में गंभीर चुनौती है लेकिन ऐसे उपायों को संवैधानिक नजरिये से भी तर्कसम्मत नहीं माना जाता। चीन में 1980 से पहले केवल एक बच्चा पैदा करने की अनुमति थी, जिसका उल्लंघन करने पर दम्पति को न केवल सरकारी योजनाओं से वंचित कर दिया जाता था बल्कि सजा भी दी जाती थी लेकिन वहां यह नीति सफल नहीं हुई। इसीलिए चीन सरकार ने 2016 में इस नीति में बदलाव कर दो बच्चों की अनुमति दी और बाद में तीन बच्चों की अनुमति देनी पड़ी। चीन की तानाशाही सरकार द्वारा नीतियों में बड़ा बदलाव करते हुए दम्पतियों को तीन बच्चे करने की अनुमति क्यों दी गई, इसके कारण समझना भी जरूरी है। दरअसल वहां लोगों की सामान्य प्रजनन दर में निरन्तर गिरावट आ रही है और कुछ विशेषज्ञों के मुताबिक यही स्थिति भारत में भी होनी है।

जनसंख्या में स्थायित्व और कामकाजी युवाओं की स्थिर संख्या के लिए महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 2.1 होनी चाहिए और चीन में यह दर निरन्तर गिर रही है। 1970 में चीन में यह दर 5.8 थी, जो 2015 में घटकर 1.6 और 2020 में केवल 1.3 ही रह गई जबकि बुजुर्गों की आबादी लगातार बढ़ती गई। नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स (एनबीएस) के अनुसार आने वाले समय में आबादी में अधिक उम्र वालों की संख्या बढ़ने से संतुलित विकास और जनसंख्या को लेकर दबाव बढ़ेगा। 1982 में हुई जनगणना में चीन की जनसंख्या में 2.1 फीसदी की सबसे ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई थी लेकिन उसके बाद जनसंख्या में लगातार गिरावट दर्ज की गई, जिसके लिए वहां की कम्युनिस्ट सरकार द्वारा अपनाई गई दशकों पुरानी 'वन चाइल्ड पॉलिसी' को जिम्मेदार माना जाता है। विगत एक दशक में चीन की जनसंख्या करीब सात करोड़ बढ़ी लेकिन बुजुर्गों की संख्या बढ़ने से चीन के लिए

अलग ही समस्या उत्पन्न होने लगी है। दरअसल चीन को आशंका है कि अगले दस वर्षों में उसकी जनसंख्या में गिरावट आएगी, जिससे कामगारों की संख्या में कमी आने से उसकी खपत भी घटेगी। एनबीएस के आंकड़ों के मुताबिक चीन को जिन जनसांख्यिकीय संकट का सामना करना पड़ा था, वह और गहरा होने की उम्मीद थी, इसीलिए चीन को अपनी जनसंख्या नीति में बदलाव करने पर विवश होना पड़ा।

जहां तक भारत की बात है तो यहां 1994 में महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 3.4 थी, जो घटकर 2015 में 2.2 रह गई थी यानी सामान्य के करीब। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत की जनसंख्या 2050 तक बढ़ने के बाद से गिरनी शुरू हो जाएगी और 2100 तक पहुंचते-पहुंचते सामान्य प्रजनन दर केवल 1.3 ही रह जाएगी। इसका अर्थ है कि तब अधिकांश परिवारों में केवल एक ही बच्चा होगा और भारत उसी स्थिति में खड़ा होगा, जिसमें वन चाइल्ड पॉलिसी के बाद चीन खड़ा हुआ और उसे विगत सात वर्षों में दो बार अपनी जनसंख्या नीति में बड़ा परिवर्तन करना पड़ा। इसलिए टू चाइल्ड पॉलिसी जैसे कानूनों के जरिये जनसंख्या नियंत्रण की कोशिशों को व्यावहारिक नहीं माना जा रहा बल्कि इसके लिए डराने-धमकाने वाले कानूनों के बजाय लोगों में जागरूकता पैदा किया जाना सबसे जरूरी है। बगैर कड़े कानूनों के देश के ऐसे राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर में कमी आई है, जहां साक्षरता दर ज्यादा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत में गरीब महिलाओं की प्रजनन दर करीब 3.2 है जबकि सम्पन्न महिलाओं में यह दर केवल 1.5 पाई गई है। इसी प्रकार अनपढ़ महिलाओं के औसतन 3.1 बच्चे होते हैं जबकि शिक्षित महिलाओं में यह संख्या औसतन 1.7 है।

इसका स्पष्ट अर्थ है कि जनसंख्या विस्फोट का सीधा संबंध सामाजिक और शैक्षिक स्थितियों से जुड़ा है। शिक्षा के अभाव में ही देश की बड़ी आबादी को छोटे परिवार के लाभ को लेकर जागरूक नहीं किया जा सका है।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

हिमालयी परिवेश की रक्षा

हाल के दिनों में हिमालयी राज्यों खासकर हिमाचल व उत्तराखंड में अतिवृष्टि और बादल फटने की घटनाओं में जिस तेजी से पुनरावृत्ति हुई है, उसे मौसम के चरम के रूप में देखे जाने की जरूरत है। हालांकि, तात्कालिक जरूरत आपदा प्रभावित जिलों में राहत, बचाव व पुनर्वास के प्रयासों में तेजी लाने की है, लेकिन सबसे बड़ी जरूरत मौसम के चरम के बीच अचानक आती बाढ़ और बार-बार बादल फटने के कारणों को भी समझने की है। हाल ही में, इन्हीं मुद्दों की तरफ हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी ध्यान खींचा है। निस्संदेह, इन कारणों की पड़ताल के लिए विषय विशेषज्ञों की सहायता लेना भी जरूरी है। पिछले दिनों हिमाचल में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में मुख्यमंत्री ने उन उपायों की सूची पर चर्चा की, जिन्हें तत्काल लागू करने की आवश्यकता है। इन उपायों में नदियों में अवैज्ञानिक तरीके से मलबा फेंकने की जांच, नियमित मौसम अपडेट देना और नदी-नालों से कम से कम सौ मीटर की दूरी पर घरों का निर्माण करना शामिल है। लेकिन इसके प्रभावी लक्ष्य तभी हासिल किए जा सकते हैं जब इस बाबत किसी ठोस योजना को अमलीजामा पहनाया जाए और साथ ही नीतियों के क्रियान्वयन की समय सीमा निश्चित की जाए। निश्चित रूप से मौजूदा संकट को देखते हुए युद्ध-स्तर पर काम करने की जरूरत है। वह समय चला गया जब सरसरे आदेश दिये जाते और सिफारिशें की जाती थीं। कानूनों और नियमों की अनदेखी के खिलाफ सभी एजेंसियों को तालमेल बैठाकर इस दिशा में अभियान चलाने की जरूरत है। वनों की अवैध कटाई, अनियोजित निर्माण और अवैज्ञानिक विकास प्रथाओं पर लगाम लगाना बेहद जरूरी है। इसके लिये सरकारी मशीनरी को मिशन मोड में काम करने की जरूरत होगी। जिसके लिये मजबूत राजनीतिक इच्छा शक्ति की जरूरत है। भले ही राज्य की सत्ता में दो दलों का वर्चस्व हो और उनकी विचारधाराओं में टकराव रहा हो, लेकिन इस मुद्दे पर एकजुट होकर संकट का मुकाबला करने की जरूरत है। निश्चय ही हाल के वर्षों में पहाड़ विरोधी विकास ने हिमालयी राज्यों की अस्मिता को आहत किया है। हिमालयी राज्यों में लोग पहाड़ों के मूल चरित्र में हस्तक्षेप करने वाले विकास की विसंगतियों की कीमत चुके रहे हैं। अब चाहे बड़े बांध हों या फोर लेन सड़के हों। निस्संदेह, विकास हर राज्य की प्राथमिकता है, लेकिन विकास योजनाओं को पहाड़ों की जरूरत के मुताबिक बनाया जाना चाहिए। इन राज्यों में स्थितियां विकट हैं और हालात और खराब होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। भूस्खलन की लगातार बढ़ती घटनाएं और दरकती सड़कें इसकी बानगी मात्र हैं। कुल मिलाकर पहाड़ों के अस्तित्व पर संकट बढ़ा है। निस्संदेह, मौजूदा रणनीति और नीतियां इस संकट से निबटने में सक्षम नहीं हैं। सत्ता में बैठे लोगों के लिये जरूरी है कि वे मौसम विशेषज्ञों, पर्यावरणविदों और क्षेत्र के अनुभवी लोगों से राय लें। साथ ही तकनीकी समाधानों को वरीयता दी जाए। इसमें दो राय नहीं कि मानव जनित समस्याओं के निदान के लिये मानवीय दृष्टि से संवेदनशील समाधान तलाशने की जरूरत है। निश्चित रूप से इसमें समुदाय के तौर पर एकजुटता के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं रह जाता। समय आ गया है कि हम एक बार फिर से पहाड़ों के अनुरूप जीवन शैली को अपनाएं। पहाड़ हमारी आवश्यकता तो पूरी कर सकते हैं, लेकिन वे इंसान की विलासिता का बोझ सहन करने को तैयार नहीं हैं। निश्चित ही आधुनिकता की आंधी में संयम का जीवन और आवश्यकताओं को सीमित करना कठिन कार्य है, लेकिन बचाव का संभवत- अंतिम उपाय यही है।

चुनाव आयोग का बिहार मॉडल

(लेखक-कुमार कृष्णन)

बिहार चुनाव से पहले राहुल गांधी का चुनाव आयोग और भाजपा पर हमलावर होना और साथ ही बिहार बंद के वहाने विपक्ष का एकजुट होना, कहीं न कहीं एनडीए सरकार की नींद उड़ाने का काम कर रहा है,अब इंडिया गठबंधन। दरअसल देखा जाए तो राहुल गांधी ने चुनाव आयोग से साफ साफ कह दिया है कि आयोग का काम भाजपा का काम करने का नहीं है, बल्कि संविधान की रक्षा करने का है और आयोग अपना काम नहीं कर रहा है।

राहुल गाधी ने कहा- मैं चुनाव आयोग मैं आपको साफ बोल रहा हूं। मैं बिहार और हिन्दुस्तान की जनता को स्पष्ट कह रहा हूं कि महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया गया था और वैसे ही बिहार को चुनाव चोरी करने की कोशिश की जा रही है। उन्हें पता है कि हमने महाराष्ट्र मॉडल समझ लिया इसलिए वे बिहार मॉडल लाए हैं। ये गरीबों की वोट छीनने का तरीका है।बिहार में वोटर लिस्ट पुनरीक्षण के मुद्दे पर विपक्ष के बुलाए बिहार बंद और चक्काजाम में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पटना में शामिल हुए। इस दौरान उनके साथ तेजस्वी यादव, दीपांकर भट्टाचार्य, पप्पू यादव समेत कई विपक्षी नेता शामिल रहे। इस मौके पर जहां विपक्ष ने अपनी एकजुटता दिखाई तो वहीं राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को घेरने का काम किया। राहुल ने साफ साफ चुनाव आयोग को निशाने पर लेते हुए कहा कि आयोग का काम भाजपा के लिए काम करना नहीं बल्कि संविधान के अनुसार चलने का है।

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन के मुद्दे पर बिहार बंद और चक्काजाम में राहुल गांधी ने शामिल होकर चुनाव आयोग और भाजपा को जमकर घेरा। राहुल ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा ने चुनाव आयोग की सांठगांठ से चुनाव जीतने नहीं बल्कि चोर करने की कोशिश की और अब भाजपा उसी तर्ज पर बिहार का चुनाव भी चोरी करने की फिराक में है और हम ऐसा होने नहीं देंगे। मैं आपको साफ बताना चाहता हूं कि यह गरीबों का वोट छीनने का तरीका है, लेकिन इनको पता नहीं है कि ये बिहार है और बिहार की जनता ऐसा कभी नहीं होनी देगी।

इस कार्यक्रम के लिए पटना में महागठबंधन दल के सभी घटक दल के बड़े नेताओं का जुटान हुआ। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आयोजन में शामिल हुए। विपक्ष के सभी नेताओं ने आयकर गोलंबर से निर्वाचन आयोग कार्यालय तक मार्च किया ।राहुल गांधी ने राजद, कांग्रेस, वाम दल और वीआइपी नेताओं कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और कहा, महाराष्ट्र के बाद अब बिहार में चुनाव आयोग हमारे मतदाताओं की चोरी कर रहा है। पहले इन्होंने महाराष्ट्र में जनादेश छीना अब बिहार की बारी है।इनका तरीका नया है मगर साजिश पुरानी है। जनता का भविष्य बर्बाद नहीं होने देंगे। महागठबंधन बिहार की जनता के साथ खड़ा है।

लोकसभा चुनाव में आइएनडीआइए गठबंधन जीतकर आया। जबकि विधानसभा चुनाव में हमारा गठबंधन बुरी तरह हार गया। उस समय हम लोगों ने कुछ नहीं कहा, लेकिन इस गंभीर विषय पर काम शुरू किया। हमने जांच की तो पता चला कि लोकसभा से ज्यादा मतदाताओं ने विधानसभा चुनाव में मतदान किया।आश्चर्यजनक ढंग से एक करोड़ वोट बढ़ गए। एक दिन में चार से पांच हजार वोट रजिस्टर हुए। गरीबों के वोट काटे गए। जब हमने चुनाव आयोग से कहा कि आप हमें वोटर लिस्ट दीजिए, तब चुनाव आयोग ने एक शब्द नहीं कहा।

राहुल गांधी बोले कि हमने चुनाव आयोग से कहा कि कानून कहता है कि हमें वोटर लिस्ट दी जाए, लेकिन आज तक महाराष्ट्र की वोटर लिस्ट हमें नहीं मिली। वे सच्चाई छिपाना चाहते हैं। यही खेल वे बिहार में भी करना चाहते हैं। मैं बिहार की जनता से कहता हूं कि जैसे महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया गया था, वैसे ही बिहार चुनाव भी चोरी करने की कोशिश की जा रही है।

अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के महासचिव एवं कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला भारत बंद को मोदी सरकार के खिलाफ 'जनआक्रोश' करार दिया।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर विपक्ष लगातार विरोध कर रहा है। इस क्रम में विपक्ष ने बिहार बंद के जरिये अपनी लड़ाई को सड़क तक पहुंचा दिया है। चुनाव आयोग के इस कदम को लेकर राहुल गांधी के साथ ही तेजस्वी यादव भी बिहार बंद शामिल हो गए हैं। इस बीच चुनाव आयोग ने अनुच्छेद 326 को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट किया है। इससे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा था कि बिहार मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण से यह सुनिश्चित होगा कि सभी पात्र लोग इसमें शामिल हों।

चुनाव आयोग द्वारा कहा गया है कि लोक सभा और राज्यों की विधान सभाओं के लिए निर्वाचनों का वयस्क मताधिकार के आधार पर होना लोक सभा और प्रत्येक राज्य की विधान सभा के लिए निर्वाचन वयस्क मताधिकार के आधार पर होंगे अर्थात् प्रत्येक व्यक्ति, जो भारत का नागरिक है और ऐसी तारीख को, जो समुचित विधान-मंडल द्वारा बनाई गई किसी विधि द्वारा या उसके अधीन इस निमित्त नियत की जाए, कम से कम अठारह वर्ष की आयु का है और इस संविधान या समुचित विधान-मंडल द्वारा बनाई गई किसी विधि के अधीन अनिवास, चित्तविकृति, अपराध या भ्रष्ट या अवैध आचरण के आधार पर अन्यथा निरर्हित नहीं कर दिया जाता है, ऐसे किसी निर्वाचन में मतदाता के रूप में रजिस्ट्रीकृत होने का हकदार होगा।

इससे पहले बिहार की मतदाता सूची का जिक्र करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बिहार में जो भी व्यक्ति एक जनवरी 2003 की मतदाता सूची में है, उसे संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत प्राथमिक दृष्टिकोण से योग्य माना जाएगा। दूसरे शब्दों में, जिन लोगों के नाम उस सूची में हैं, उन्हें कोई कागज जमा करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि आयोग जल्द ही 2003 की बिहार मतदाता सूची को अपनी वेबसाइट पर अपलोड करेगा, ताकि इसमें शामिल करीब 4.96 करोड़ मतदाताओं को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए गणना प्रपत्र के साथ संलग्न किए जाने वाले संबंधित हिस्से को निकालने में सुविधा हो।

कुमार ने बताया कि जिन मतदाताओं के माता-पिता का नाम 2003 की मतदाता सूची में है, उन्हें केवल अपने जन्म स्थान/तिथि के बारे में दस्तावेज देने होंगे। बिहार में अभी 243 विधानसभा सीट पर 7.89 करोड़ से अधिक मतदाता हैं।

(चिंतन-मनन)

भगवान की विचारणाएं

जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले कि मैं क्यों पैदा हुआ हूं और पैदा हुआ हूं तो मुझे क्या करना चाहिए? भगवान द्वारा सोचना, विचारना, बोलना, भावनाएं आदि अमानतें मनुष्य को इसलिए नहीं दी गई हैं कि उनके द्वारा वह सुख-सुविधाएं या विलासिता के साधन जुटा अपना अहंकार पूरा करे बल्कि इसलिए दी गयी हैं ताकि इनके माध्यम से वह विश्व को अधिक सुन्दर और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रयत्न कर। बैंक के खजांची के पास धन इसलिए रखा रहता है ताकि सरकारी प्रयोजनों के लिए इस पैसे को खर्च कर। खजाने में रखे लाखों रुपये खजांची कैसे खर्च कर सकता है।अपने लिए उसे उतना ही इस्तेमाल करने का हक है, जितना उसे वेतन मिलता है। पुलिस और फौज का कमांडर है, उसको अपना वेतन लेकर जितनी सुविधाएं मिली हैं, उसी से काम चलाना चाहिए। बाकी बहुत सारी सामर्थ्य और शक्ति उसे बंदूक चलाने के लिए मिली है, उसे सिर्फ उसी काम में खर्च करना चाहिए, जिसके लिए सरकार ने उसको सौंपा है।

हमारी सरकार भगवान है और मनुष्य के पास जो कुछ विभूतियां, अक्ल और विशेषताएं हैं, वे व्यक्तिगत ऐय्याशी सुविधा और शौक-मौज के लिए नहीं हैं। व्यक्तिगत अहंकार की तृप्ति के लिए नहीं है। भगवान का बस एक ही उद्देश्य है- निरूस्वार्थ प्रेम। इसके आधार पर भगवान ने मनुष्य को इतना ज्यादा प्यार किया। मनुष्य को उस तरह का मस्तिष्क दिया है, जितना कीमती कम्प्यूटर दुनिया में आज तक नहीं बना। मनुष्य की आंखें, कान, नाक, वाणी एक से एक चीजें हैं, जिनकी रुपयों में कीमत नहीं आंकी जाती है। मनुष्य के सोचने का तरीका इतना बेहतरीन है, जिसके ऊपर सारी दुनिया की दौलत न्योछावर की जा सकती है। ऐसा कीमती मनुष्य और ऐसा समर्थ मनुष्य जिस भगवान ने बनाया है, उसकी यह आकांक्षा जरूर रही है कि दुनिया को समुन्नत और सुखी बनाने में यह प्राणी मेरे सहायक के रूप में काम करेगा और मेरी सृष्टि को समुन्नत रखेगा।

मानव जीवन की विशेषताओं और भगवान द्वारा विशेष विभूतियां मनुष्य को देने का एक और उद्देश्य है। जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले कि मैं क्यों पैदा हुआ हूं और पैदा हुआ हूं तो मुझे क्या करना चाहिएट तो समझना चाहिए कि इस आदमी का नाम मनुष्य है, इसके भीतर मनुष्यता का उदय हुआ और इसके अंदर भगवान की विचारणाएं उदित हो गयीं।

विचार मंथन

सुंदर दिखने मौत को गले लगाते युवा

(लेखक- सनत जैन)

वर्तमान समाज में सुंदरता की परिभाषा इतनी विकृत हो चुकी है। युवा वर्ग अपने जीवन को दांव पर लगाने में भी संकोच नहीं कर रहा है। अभिनेता शेखर सुमन के बेटे अध्ययन सुमन की प्रेमिका दिवंगत अभिनेत्री सैफाली की असामयिक मृत्यु ने इस विकृत मानसिकता पर हम सभी का ध्यान खींचा है। आज के दौर में खूबसूरत दिखना एक बड़ी मानसिक बीमारी बन गई है। जीवन जीने के लिए सुंदर शरीर का होना जरूरी है? इसको लेकर एक नई मानसिकता युवा वर्ग में देखने को मिल रही है। शरीर की फिटनेस, ग्लोइंग स्किन, परफेक्ट फिगर, इंस्टाग्राम-रेडी चेहरा जैसी सोच ओर मान्यताएं युवा वर्ग, जिसमें लड़के और लड़की दोनों हैं, इस सोच के शिकार हैं। अधेड़ उम्र में यह मानसिकता और भी खतरनाक हो जाती है। जब धीरे-धीरे उम्र का असर शरीर पर दिखने लगता है। अधेड़ वर्ग कुंठा का शिकार होने लगाता है। युवाओं में सोशल मीडिया की दिखावटी दुनिया ने सुंदरता के मायने शक्ल-सूरत ड्रेस और बाहरी सौंदर्य तक सीमित कर दिया है। वर्तमान पीढ़ी में आत्म मूल्यांकन का आधार विचार, व्यवहार या ज्ञान नहीं, बल्कि शरीर का सौंदर्य और पहनावा स्टेटस सिम्बल बन गया है। स्किन-फेयरनेस क्रीम, बोटॉक्स, सर्जरी, डाइटिंग, स्टेरॉयड और महंगे कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट जैसे रसायनों के पीछे भाग रहे है। युवा, अधेड न केवल अपनी असल पहचान खो बैठते हैं, बल्कि धीरे-धीरे मानसिक बीमार बनाकर अपने जीवन को बर्बाद कर रहे हैं। अब तो हद हो गई है जब युवा और अधेड़ आत्महत्या जैसे कृत्य करने लगे हैं। सुंदर दिखने और फैशन की इस होड़ ने युवाओं के आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान को खोखला कर दिया है। बॉलीवुड से लेकर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के बाद यह बीमारी अब समाज के मध्यम एवं निम्न वर्ग तक तेजी के साथ फैलती चली जा रही है। सभी नकली और अवास्तविक सौंदर्य मानक के साथ जीने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए जिस तरह का वह कृत्रिम उपाय अपना रहे हैं। उसके कारण वह कुंठा, मानसिक बीमारी के कारण असमय मौत के मुंह में भी समा रहे हैं। युवा-युवतियों के मन में तेजी के साथ हीन भावना और असुरक्षा जन्म लेती है। जब अवास्तविक सोच ओर अपेक्षाओं को वह पूरा नहीं कर पाते हैं। ऐसी स्थिति में निराशा से भरे हुए लोग आत्महत्या जैसे खतरनाक कदम तक उठा लेते हैं। युवा और अधेड़ जिस तरह से कृत्रिम साधनों का उपयोग दैनिक जीवन में कर रहे हैं। उसके कारण उनके शरीर में इसके घातक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। कृत्रिम उपाय के दुष्प्रभाव से उनकी समय के पहले मौत हो जाती है। इस स्थिति को लेकर डॉक्टर भी चिंता करने लगे हैं। सुंदर दिखने की ललक और फैशन हर तरीके के जोखिम को उठाने के लिए लोगों को मजबूर कर रही है। सुंदरता केवल शरीर और चेहरे मोहरे तक सीमित नहीं है। समाज में व्यक्ति की पहचान उसके गुणों, ज्ञान, उपयोगता और उसकी कलाओं के आधार पर होती है। बाहरी आकर्षण कुछ समय के लिए लोगों को आकर्षित कर सकता है। वास्तविक ज्ञान, गुण और कला सम्पूर्ण जीवन की वास्तविक चमक है। अभिभावकों, शिक्षकों और समाज को कृत्रिम सुंदरता और कृत्रिम ज्ञान फैशन के स्थान पर वास्तविक स्वरूप का ज्ञान बच्चों को बचपन से देना होगा। किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके आत्म विश्वास, संवेदना, ईमानदारी और चरित्र से बनती हैं। वास्तविकता सारे जीवन काम आती है। भौतिक संसाधनों एवं बाजारवाद की मानसिक बीमारी को समय रहते नहीं रोका गया, तो अगली पीढ़ी एक ऐसे भंवरजाल में फंस जाएगी। जहां से निकल पाना उसके लिये संभव नहीं होगा। जिस तरह से वर्तमान समय में युवा और अधेड़ कृत्रिम संसाधनों के माध्यम से अपने आपको हमेशा युवा होना तय सबसे सुंदर दिखाना चाहते हैं। कुछ समय के लिए तो यह संभव हो सकता है।

उसके बाद सारा जीवन कष्ट मय होना तय है। कृत्रिम सौंदर्य और कृत्रिम ज्ञान की कोई वास्तविकता नहीं होती है। जिसके कारण सामान्य जीवन कठिन होता चला जा रहा था। एक बहुत बड़ी आबादी कुंठा एवं मानसिक बीमारी से ग्रसित हो चुकी है। जो मन एवं शरीर को बीमारी बना रहा है। इससे बचने का प्रयास सभी को करना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया तीन पैसे की बढ़त के साथ ही 85.70 पर बंद हुआ। रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 17 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.56 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये ने उतार-चढ़ाव के बाद सीमित दायरे में कारोबार किया। अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता में मामूली प्रगति और भारतीय निर्यातों पर शुल्क की समय सीमा बढ़ाए जाने से बाजारों को अल्पकालिक राहत मिली है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.62 पर खुला। फिर 85.56 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.73 पर स्थिर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 फीसदी की गिरावट के साथ 97.37 पर आ गया।

जुलाई में गिरावट की चपेट में टाटा ग्रुप के कई शेयर

नई दिल्ली।

जुलाई 2025 की शुरुआत टाटा ग्रुप के लिए ठीक नहीं रही है। समूह की कई प्रमुख कंपनियों के शेयर गिरावट में हैं। टीरेंट का स्टॉक इस महीने अब तक 13 फीसदी गिर चुका है, वहीं टाइटन में लगभग 7 फीसदी की गिरावट आई है। इन दोनों कंपनियों के कमजोर तिमाही संकेत और प्रबंधन की सतर्क टिप्पणियों ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। टाटा मोटर्स ने`` वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में जेएलआर समेत ग्लोबल सेल्स में 9 फीसदी की गिरावट दर्ज की। साथ ही जेएलआर ने` वित्त वर्ष 26 के लिए अपने मार्जिन अनुमान घटाए हैं, जिससे शेयर पर दबाव बढ़ा है। टाटा पावर को 490 मिलियन डॉलर के हर्जाने के आदेश से झटका लगा है, जिससे शेयर कमजोर हुआ है। वहीं बाजार की नजरें टीसीएस पर थीं, कंपनी ने अनुमान से बेहतर प्रदर्शन किया है, मुनाफा 8.7 फीसदी बढ़कर 12,040 करोड़ और राजस्व 5.4 फीसदी बढ़कर 62,613 करोड़ रहा। इससे स्टॉक में तेजी देखी गई।

रेनो 14 का नया कलर वेरिएंट सन एंड मूनलाइट लॉन्च

नई दिल्ली।

चीन में ओप्पो कंपनी ने अपने लोकप्रिय स्मार्टफोन रेनो 14 का नया कलर वेरिएंट सन एंड मूनलाइट लॉन्च कर दिया है। कंपनी के अनुसार, फोन का बैक पैनल -15 डिग्री तापमान में वाइब्रेंट ऑरेंज और 70 डिग्री तापमान में सिल्वर रंग में बदल जाता है। ट्रांजिशन के दौरान दोनों रंग एक साथ दिखाई देते हैं, जिससे फोन का लुक बेहद आकर्षक हो जाता है। यह बदलाव पूरी तरह ऑटोमैटिक होता है और वातावरण पर निर्भर करता है। ओप्पो ने इस नए वेरिएंट की कीमत चीन में 2,699 युआन (लगभग रुपए 32,200) तय की है। हालांकि, कंपनी ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि यह वेरिएंट ग्लोबल मार्केट में भी उपलब्ध कराया जाएगा या नहीं। ओप्पो रेनो 14 के फीचर्स की बात करें तो इसमें 6.59 इंच का फ्लैट नैरो-बेजल डिस्प्ले दिया गया है। यह स्मार्टफोन डाइमेंसिटी 8350 चिपसेट से लैस है और एंड्राएड 15 बेस्ड कलरओएस 15 पर काम करता है। फोन में 6000 एमएएच की बैटरी दी गई है, जो 80 वॉट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। फोटोग्राफी के लिए फोन में ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप है, जिसमें 50 मेगापिक्सल का मेन लेंस, 50 मेगापिक्सल का पेरिस्कोप टेलिफोटो लेंस और 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड सेंसर शामिल है। यह डिवाइस आईपी66/68/69 रेटिंग के साथ वॉटर और डस्ट रेजिस्टेंस भी प्रदान करता है। यह खास वेरिएंट हीट-रिएक्टिव बैक पैनल के साथ आता है, जो तापमान के आधार पर रंग बदलता है। इसकी बिक्री 11 जुलाई से शुरू होगी।

दिग्गज ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म ने निफ्टी के लिए 30,000 का टारगेट तय किया

मुंबई।

दिग्गज ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म ने गुरुवार को निफ्टी के लिए 30,000 का टारगेट तय कर दिया और कहा कि वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही से भारतीय कॉरपोरेट्स की आय में रिकवरी शुरू हो जाएगी, जिसका इंतजार लंबे समय से हो रहा है। ब्रोकरेज फर्म की ओर से जारी की गई इंडिया इक्विटी स्ट्रेटजी रिपोर्ट में कहा गया कि अगले छह से नौ महीनों में बुल केस में निफ्टी 30,000 के लक्ष्य तक पहुंच सकता है।

वहीं, बेस केस के लिए लक्ष्य 26,500 दिया।इसके अलावा ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म ने कहा, हमारा मानना है कि यह तिमाही आय में सुधार के लिए आधार तैयार करेगी, जो निम्न आधार और आर्थिक गति में पुनरुद्धार से प्रेरित होगी।

ब्रोकरेज फर्म के मुताबिक हेल्थकेयर का प्रदर्शन इस तिमाही में सबसे बेहतर रहा है। वित्त वर्ष 26 की अप्रैल-जून अवधि में हमारे द्वारा कवर होने वाली कंपनियों की आय वृद्धि दर 15 प्रतिशत और ईबीआईटीडीए वृद्धि दर 19 प्रतिशत रह सकती है। इसकी वजह क्षमता विस्तार, अधिक टैरिफ और निम्न आधार होना है।

इसके अलावा ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि निजी जीवन बीमा कंपनियों द्वारा सालाना आधार पर 8 प्रतिशत से अधिक की वीएनबी (वैल्यू ऑफ न्यू बिजनेस) वृद्धि दर्ज होने की संभावना है, जिसका मुख्य कारण अधिक बिक्री होना है।

ब्रोकरेज फर्म के अनुसार, सीमेंट कंपनियों से स्थिर आय की उम्मीद है, इसकी वजह कीमतों में बढ़ोतरी होना है।

तिमाही-दर-तिमाही आधार पर बिक्री कमजोर हो सकती है, लेकिन कीमतों में बढ़ोतरी से ईबीआईटीडीए/टन चौथी तिमाही के दायरे में रहेगा।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर जल्द होगी नई वार्ता

नई दिल्ली।

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर एक और दौर की बातचीत जल्द शुरू होने वाली है। वाणिज्य मंत्रालय का एक उच्चस्तरीय दल मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में अगले सप्ताह वॉशिंगटन की यात्रा कर सकता है। इस दौरान समझौते के अंतरिम और पहले चरण पर चर्चा होगी। अधिकारियों के अनुसार यात्रा की तारीखें अभी तय नहीं हैं, लेकिन यह वार्ता समय की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिका ने भारत पर लगाए गए 26 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क को 1 अगस्त तक के लिए टाल दिया है। राजेश अग्रवाल हाल ही में इसी मुद्दे पर चर्चा के बाद वॉशिंगटन से लौटे हैं। यह वार्ता दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने और शुल्कों में राहत दिलाने की दिशा में एक अहम मानी जा रही है।

रूस में मजदूरों की कमी, भारत से 10 लाख श्रमिक बुलाने की तैयारी

मेटल फैक्टियों, मशीन निर्माण इकाइयों और कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स में श्र मिकों की जरुरत

नई दिल्ली।

रूस इस समय गंभीर श्रमिक संकट का सामना कर रहा है। यूक्रेन युद्ध के चलते लाखों रूसी युवा सेना में भर्ती हो चुके हैं, जिससे निर्माण और औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों की भारी कमी हो गई है। इस कमी को पूरा करने के लिए रूस ने भारत की ओर रुख किया है। रूसी योजना के अनुसार, वर्ष 2025 के अंत तक भारत से करीब 10 लाख श्रमिकों को बुलाया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस की बड़ी कंपनियां चाहती हैं कि भारतीय मजदूर उनकी मेटल फैक्ट्रियों, मशीन निर्माण इकाइयों और कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स में काम करें। ये कार्य शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं, लेकिन इनकी मजदूरी अच्छी होगी। रूस, भारतीय श्रमिकों के लिए वीजा और दस्तावेजी प्रक्रिया को आसान बनाने हेतु भारत में एक नई व्यवस्था तैयार कर रहा है, ताकि मजदूर बिना ज्यादा परेशानी के वहां काम करने जा सकें। हालांकि, भारतीय मजदूरों के सामने कुछ चुनौतियाँ भी होंगी। रूस की सर्दियाँ बेहद कठोर होती हैं, जहां तापमान -15 से -20 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। इसके अलावा, भाषा, संस्कृति और खानपान में भी बड़ा अंतर है। फिर भी रूसी कंपनियों का कहना है कि वे भारतीय श्रमिकों को गर्म कपड़े, उचित आवास और भोजन की पूरी सुविधा देंगी। इस योजना से भारत में बेरोजगारी कम होने की संभावना है, लेकिन साथ ही यह जरूरी होगा कि भारतीय श्रमिकों की सुरक्षा, अधिकार और शोषण से रक्षा सुनिश्चित की जाए।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 346 और निफ्टी 121 अंक गिरा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 345.80 अंकों की गिरावट के साथ ही 83,190.28 अंकों पर बंद हुआ।

इसी तरह 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 120.85 अंक फिसलकर 25,355.25 अंकों पर बंद हुआ। आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी से हुई पर कुछ समय बाद ही बिकवाली के कारण इसमें गिरावट आने लगी।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 22 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। वहीं केवल 8 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ बंद हुए। इसी प्रकार निफ्टी की 50 में से केवल 12 कंपनियों के शेयर ही बढ़कर बंद हुए जबकि 38 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल मारुति सुजुकी के शेयर सबसे ज्यादा 1.36 फीसदी बढ़त के साथ बंद हुए जबकि भारती एयरटेल के शेयर 2.63 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स की बाकी कंपनियों में आज टाटा स्टील के शेयर 1.01 फीसदी, बजाज फाइनेंस 0.69 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.66 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.41 फीसदी, टीसीएस 0.38 फीसदी, ट्रेंट 0.24 फीसदीबढ़त के साथ बंद हुए।

सरी तरफ एशियन पेंट्स के शेयर 1.92 फीसदी, बीईएल 1.05फीसदी , टेक महिंद्रा 0.94 फीसदी, इंफोसिस 0.82फीसदी, एचसीएल टेक 0.74 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.67 फीसदी,

आईटीसी 0.66 फीसदी, एनटीपीसी 0.64 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.63 फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.60 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.55 फीसदी , महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.51 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.43 फीसदी, की गिरावट के साथ बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह बाजार की लाल निशान के साथ ही शुरुआत हुई पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों और जून तिमाही के नतीजों से पहले निवेशक सतर्क रुख अपना रहे थे। सुबह सेंसेक्स 122 अंक की बढ़त लेकर 83,658.20 पर खुला। हालांकि, कुछ ही देर में यह लाल निशान में फिसलकर 51.59 अंक की गिरावट लेकर 83,484.49 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी भी बढ़त के साथ हरे निशान पर खुला पर कुछ समय बाद ही यह लाल निशान में फिसल गया जो 20.15 अंक की गिरावट के साथ 25,455.95 पर कारोबार कर रहा था। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.39 फीसदी और टोपिक्स 0.48 फीसदी नीचे रहे।

सोना 96,600 के पार, चांदी भी लगभग 1.07 लाख रुपए प्रतिकिलो

नई दिल्ली।

स्थानीय बाजार में गुरुवार के कारोबारी` दिन सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। घरेलू बाजार में सोने के भाव 96,600 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,07,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई, जबकि चांदी गिरावट के साथ खुलने के बाद सुधर गई। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 87 रुपये की तेजी के साथ 96,548 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 96,461 रुपये था। ` फिलहाल यह 164 रुपये की तेजी के साथ 96,625 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 55 रुपये की तेजी के साथ 1,07,320 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,07,265 रुपये था।` फिलहाल यह 190

रुपये की तेजी के साथ 1,07,455 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 3,322.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,321 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 5.60 डॉलर की तेजी के साथ 3,326.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

आसियान के साथ व्यापार समझौते की समीक्षा वार्ता में तेजी के प्रयास- गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत-आसियान वस्तु व्यापार समझौते की समीक्षा को लेकर बातचीत जारी है और भारत चाहता है कि यह प्रक्रिया तेज़ हो। यह बात उन्होंने मलेशिया के निवेश, व्यापार एवं उद्योग मंत्री टी. जफरुल अजीज के साथ एक बैठक के बाद कही। गोयल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि मलेशिया, जो आसियान में भारत का स्थायी समन्वयक है, के साथ व्यापार और निवेश के मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने भारत-आसियान वस्तु व्यापार समझौते की वर्तमान समीक्षा प्रक्रिया और उससे जुड़ी चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। गोयल ने कहा कि भारत आसियान सदस्य देशों के साथ निष्पक्ष व्यापार और संतुलित व्यापार समझौते की समीक्षा को लेकर बातचीत जारी है और भारत चाहता है कि यह प्रक्रिया तेज़ हो। यह बात उन्होंने मलेशिया के निवेश, व्यापार एवं उद्योग मंत्री टी. जफरुल अजीज के साथ एक बैठक के बाद कही। गोयल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि मलेशिया, जो आसियान में भारत का स्थायी समन्वयक है, के साथ व्यापार और निवेश के मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने भारत-आसियान वस्तु व्यापार समझौते की वर्तमान समीक्षा प्रक्रिया और उससे जुड़ी चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। गोयल ने कहा कि भारत आसियान सदस्य देशों के साथ निष्पक्ष व्यापार और संतुलित वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए त्वरित बातचीत की अपेक्षा करता है। इसके साथ ही, भारत और मलेशिया के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते को भी आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। भारत-आसियान वस्तु व्यापार समझौते पर 2009 में हस्ताक्षर किए गए थे और यह जनवरी 2010 से लागू हुआ। अगस्त 2023 में भारत और आसियान ने तय किया था कि 2025 तक समझौते की पूरी समीक्षा की जाएगी। लेकिन अब तक वार्ता धीमी गति से चल रही है। भारतीय उद्योग जगत लंबे समय से इस समझौते की समीक्षा की मांग करता रहा है ताकि व्यापार में असंतुलन दूर हो और समझौता अधिक लाभकारी और टिकाऊ बन सके।

एलपीजी पर नुकसान की भरपाई को लेकर तेल कंपनियों को मिलेगी सब्सिडी

30,000 से 35,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी देने पर विचार कर रही

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की लागत से कम कीमत पर बिक्री की वजह से हुए नुकसान की भरपाई करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों इंडियन ऑयल (आईओसी), भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) को 30,000 से 35,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी देने पर विचार कर रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार वित्त मंत्रालय वर्तमान में वास्तविक घाटे का आकलन कर रहा है और इसकी भरपाई के लिए तंत्र विकसित किया जा रहा है। हालांकि वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में एलपीजी सब्सिडी के लिए कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं किया गया है, लेकिन सरकार ने अप्रैल 2025 में पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क बढ़ाकर करीब 32,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व जुटाया है। संभावना है कि इसी अतिरिक्त राजस्व से तेल कंपनियों को हुए घाटे की भरपाई की जाएगी। घरेलू एलपीजी की कीमतें अंतरराष्ट्रीय मानक सऊदी सीपी की तुलना में काफी कम रखी जाती हैं ताकि आम जनता को राहत मिल सके। चूंकि देश में एलपीजी का उत्पादन स्थानीय मांग के अनुरूप नहीं है, इसलिए आयात पर निर्भरता बनी हुई है। इससे तेल कंपनियों को नुकसान होता है।

अनुमान है कि वित्त वर्ष 2024-25 में इन्हें एलपीजी बिक्री से लगभग 40,500 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। सरकार द्वारा नुकसान की भरपाई के बाद, कंपनियां इस राशि का उपयोग पूंजीगत व्यय सहित अन्य जरूरतों में कर सकेंगी।

आसियान के साथ व्यापार समझौते की समीक्षा वार्ता में तेजी के प्रयास : गोयल

नई दिल्ली।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत-आसियान वस्तु व्यापार समझौते की समीक्षा को लेकर बातचीत जारी है और भारत चाहता है कि यह प्रक्रिया तेज़ हो। यह बात उन्होंने मलेशिया के निवेश, व्यापार एवं उद्योग मंत्री टी. जफरुल अजीज के साथ एक बैठक के बाद कही। गोयल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि मलेशिया, जो आसियान में भारत का स्थायी समन्वयक है, के साथ व्यापार और निवेश के मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने भारत-आसियान वस्तु व्यापार समझौते की वर्तमान समीक्षा प्रक्रिया और उससे जुड़ी चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। गोयल ने कहा कि भारत आसियान सदस्य देशों के साथ निष्पक्ष व्यापार और संतुलित वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए त्वरित बातचीत की अपेक्षा करता है। इसके साथ ही, भारत और मलेशिया के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते को भी आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। भारत-आसियान वस्तु व्यापार समझौते पर 2009 में हस्ताक्षर किए गए थे और यह जनवरी 2010 से लागू हुआ। अगस्त 2023 में भारत और आसियान ने तय किया था कि 2025 तक समझौते की पूरी समीक्षा की जाएगी। लेकिन अब तक वार्ता धीमी गति से चल रही है। भारतीय उद्योग जगत लंबे समय से इस समझौते की समीक्षा की मांग करता रहा है ताकि व्यापार में असंतुलन दूर हो और समझौता अधिक लाभकारी और टिकाऊ बन सके। आसियान में 10 देश शामिल हैं- ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमा, फिलीपीन, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम।

देश की चार बड़ी ब्रोकिंग कंपनियों ने करीब 20 लाख निवेशक गंवाए

जून महीने में चारों ब्रो किंपि कंप नियों ने लगभग 6 लाख क्लाइंट्स खोए

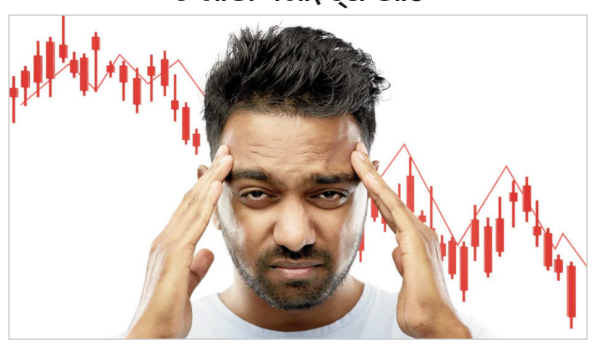

नई दिल्ली।

इस वर्ष की शुरुआत में शेयर बाजार से अच्छा रिटर्न मिलने के बावजूद देश की चार बड़ी ब्रोकिंग कंपनियों ग्रो, जेरोधा, एंजल वन और अपस्टाक्स ने कुल मिलाकर करीब 20 लाख एक्टिव इनवेस्टर्स गंवा दिए हैं। अकेले जून महीने में इन चारों ने लगभग 6 लाख क्लाइंट्स खोए हैं। इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह है एफएंडओ (फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस) से रिटेल निवेशकों की घटती दिलचस्पी। सेबी द्वारा 2024 में लागू किए गए सख्त नियम - जैसे अधिक मार्जिन ज़रूरत, टैक्स का बोझ, साप्ताहिक एक्सपायरी कम होना और ट्रेडिंग की पूंजी सीमा बढ़ना, के कारण एफएंडओ ट्रेडिंग अब कम आकर्षक हो गई है।` विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशकों को लगातार मुनाफा नहीं हो पा रहा और वोलटाइल मार्केट में रिसर्च और गाइडेंस की कमी से नुकसान झेलने के बाद वे ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म्स छोड़ रहे हैं। कई नए निवेशक अब म्यूचुअल फंड्स, पीएमएस और एआईएफएस जैसे सुरक्षित और प्रोफेशनल इनवेस्टमेंट विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। ग्रो ने हाल ही में आईपीओ के लिए सेबी के पास आवेदन किया है, लेकिन निवेशकों के नुकसान का असर इसकी छवि पर पड़ सकता है। हालांकि, कुल यूजर बेस की तुलना में यह पांच फीसदी की गिरावट बड़ी नहीं मानी जा रही है। एनएसई के अनुसार 2024 में एक्टिव इनवेस्टर्स की संख्या 5.01 करोड़ तक पहुंची थी, लेकिन 2025 में टैक्स और नियमों की सख्ती से ग्रोथ की रफ्तार थम गई है। डीमैट अकाउंट खुलवाने की रफ्तार भी अब धीमी हो गई है।

अमेरिका इराक, फिलीपींस समेत 6 देशों पर 30 फीसदी तक टैरिफ लगाएगा

टैरिफ 1 अगस्त से लागू होंगे

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने सात माइनर ट्रेडिंग पार्टनर्स देशों पर नया टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि ये टैरिफ 1 अगस्त से लागू होंगे। इस बीच, यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते की बातचीत भी अंतिम दौर में पहुंच चुकी है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जानकारी दी कि- फिलीपींस से आने वाले सामान पर 20 फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। श्रीलंका, अल्जीरिया, इराक और लीबिया से आयात पर 30 फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। ब्रुनेई और मोल्दोवा से आने वाले सामान पर 25 फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। हालांकि यूरोपीय संघ को लेकर कोई नया पत्र नहीं जारी किया गया है, लेकिन ट्रंप ने इससे पहले कहा था कि वह बुधवार को कम से कम सात टैरिफ नोटिस जारी करेंगे और दोपहर में और भी नोटिस भेजे जाएंगे। इससे पहले इस हफ्ते ट्रंप ने दक्षिण कोरिया और जापान जैसे बड़े सप्लायर्स पर भी 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। ये भी 1 अगस्त से लागू होंगे, अगर तब तक कोई समझौता नहीं होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने टी20 सीरीज पर जमाया कब्जा, इंग्लैंड में रचा इतिहास

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 मैच में छह विकेट से जीत दर्ज की। इसी के साथ भारत ने इंग्लैंड की सरजमीं पर इतिहास रच दिया है। भारतीय महिला टीम ने पहली बार इंग्लैंड के खिलाफ उन्हीं के घर में दो या उससे अधिक मुकाबलों की टी20 सीरीज अपने नाम की है।

भारत ने इंग्लैंड में पहली बार साल 2006 में टी20 क्रिकेट खेला था। इस दौरान सिर्फ एक ही टी20 मैच खेला गया, जिसमें भारत ने आठ विकेट से जीत दर्ज की थी। भारत-इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज का यह मुकाबला मैनचेस्टर में खेला गया, जिसमें इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया।

इंग्लैंड को अपना ही निर्णय भारी पड़ गया। टीम ने 21 के स्कोर पर डेनियल व्याट-हॉज (5) का विकेट खो दिया। इसके बाद टीम ने निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाए। मेजबान टीम निर्धारित ओवरों तक सात विकेट खोकर महज 126 रन बना सकी। इस टीम के लिए सोफिया डंकले ने 19 गेंदों में सर्वाधिक 22 रन की पारी खेली, जबकि कप्तान टैमी ब्यूमोंट ने 19 गेंदों में 20 रन बनाए। भारत की ओर से श्री चरणी और राधा यादव को दो-दो विकेट हाथ लगे, जबकि अमनजोत कौर और दीप्ति शर्मा ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में भारतीय टीम ने तीन ओवर शेष रहते मुकाबला जीत लिया। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के बीच सात ओवरों में 56 रन की साझेदारी हुई। शेफाली ने 19 गेंदों में 31 रन बनाए, जबकि मंधाना ने 31 गेंदों में 32 रन टीम के खाते में जोड़े। भारत 69 के स्कोर तक अपनी सलामी जोड़ी गंवा चुका था। यहां से जेमिमा रोड्रिगेज ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ तीसरे विकेट के लिए 48 रन जोड़कर टीम को जीत की दहलीज पर ला दिया। हरमनप्रीत कौर ने 25 गेंदों में 26 रन की पारी खेली, जिसमें तीन चौके शामिल रहे, जबकि जेमिमा ने 22 गेंदों में नाबाद 24 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से चार्लोट डीन, सोफी एक्लेस्टोन और ईसी वोंग ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। भारत पांच मुकाबलों की सीरीज में 3-1 से अजेय बढ़त बना चुका है। सीरीज का आखिरी मुकाबला 12 जुलाई को एजबेस्टन में खेला जाएगा।

लॉर्ड्स टेस्ट की शुरुआत में सचिन तेंदुलकर ने पांच मिनट तक बजाई 'ऐतिहासिक घंटी'

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच गुरुवार से लॉर्ड्स में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट की शुरुआत हुई। सचिन तेंदुलकर ने लॉर्ड्स टेस्ट की शुरुआत से पहले पांच मिनट तक प्रतिष्ठित घंटी बजाई।

सचिन तेंदुलकर अपनी पत्नी अंजली तेंदुलकर के साथ स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने वहां मौजूद दर्शकों को नमस्ते करने और फिर उनका अभिवादन स्वीकार करने के बाद पांच मिनट तक घंटी बजाई। इसके बाद सचिन तेंदुलकर ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के साथ बातचीत करते नजर आए।

लॉर्ड्स में किसी भी टेस्ट से पहले घंटी बजाने की परंपरा 2007 से शुरू हुई थी। सचिन से पहले सुनील गावस्कर, सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गज भारतीय इस परंपरा को निभा चुके हैं। मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने कहा था कि तेंदुलकर लॉर्ड्स में पहली बार उसी दिन घंटी बजाएंगे, जिस दिन एमसीसी संग्रहालय में कलाकार स्टुअर्ट पियर्सन राइट द्वारा बनाए गए उनके चित्र अनावरण किया जाएगा। इसके बाद संस्था ने कहा कि ब्रिटिश कलाकार स्टुअर्ट पियर्सन राइट द्वारा बनाया गया तेंदुलकर का चित्र संग्रहालय में ही रहेगा और इस साल के अंत में उसे पवेलियन में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। साल 2013 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले तेंदुलकर को सर्वकालिक महानतम बल्लेबाजों में से एक माना जाता है। मुंबई के इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने तीनों प्रारूपों में 34,357 अंतर्राष्ट्रीय रन बनाए हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाने वाले वह एकमात्र बल्लेबाज हैं। लॉर्ड्स टेस्ट की बात करें तो दोनों ही टीमें गेंदबाजी में बड़े बदलाव के साथ उतरी हैं। इंग्लैंड ने जोफ्रा आर्चर को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया है। आर्चर ने चार साल बाद टेस्ट टीम में वापसी की है। इंग्लैंड ने जोश टंग को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा है।

वैभव से मिलने 6 घंटे गाड़ी चलाकर पहुंचीं दो किशोरियां

लंदन (एजेंसी)। आजकल इंग्लैंड में अंडर-10 क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे भारतीय अंडर-19 टीम के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी छाये हुए हैं। वैभव के प्रशंसकों की तादाद लगातार बढ़ रही है। 14 साल के वैभव आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद से ही सभी की नजरों में आये हैं। इस उभरते क्रिकेटर की आक्रामक बल्लेबाजी शैली से प्रभावित दो लड़कियां 6 घंटे गाड़ी चलाकर उससे मिलने पहुंची।

अन्या और रीवा नाम की दो किशोरियां इस इस क्रिकेट स्टार से मिलने के लिए वॉर्सेस्टर तक छह घंटे गाड़ी चलाकर पहुंचीं। राजस्थान रॉयल्स की जर्सी पहने और उत्साह से भरी इन लड़कियों का सपना तब पूरा हुआ जब वैभव ने इनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं। राजस्थान रॉयल्स ने इससे सोशल मीडिया में भी साझा किया है। साथ ही लिखा, सबूत है कि हमारे पास सबसे अच्छे प्रशंसक क्यों हैं। वॉर्सेस्टर तक 6 घंटे गाड़ी चलाई। अपनी गुलाबी जर्सी पहनी। वैभव और टीम इंडिया का उत्साहवर्धन किया। आन्या और रीवा के लिए यह दिन यादगार रहा।

वैभव ने आईपीएल 2025 के दौरान गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 35 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। वह पुरुषों के टी20 इतिहास में सबसे कम उम्र के शतक लगाने वाले और आईपीएल का दूसरा सबसे तेज शतक बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड में उन्होंने 5 एकदिवसीय मैचों में 355 रन बनाए जिसमें 143 रनों की आक्रामक पारी भी शामिल है।

लॉर्ड्स टेस्ट: लंच तक इंग्लैंड के 83/2, एक ही ओवर में रेड्डी ने इंग्लैंड को दिए दो झटके

लॉर्ड्स (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट गुरुवार को ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में शुरू हुआ। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और लंच तक दो विकेट के नुकसान पर 83 रन बना लिए। ओली पोप 12 और जो रूट 24 रन बनाकर नाबाद हैं।

इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम को पहला झटका 43 के स्कोर पर बेन डकेट के रूप में लगा। वह 23 रन बनाकर आउट हुए। जैक क्रॉले की असफलता का दौर जारी रहा। वह दूसरे विकेट के रूप में 18 रन बनाकर आउट हुए। तब टीम का स्कोर 44 था। इंग्लैंड को दोनों झटके पारी के 14वें ओवर में नितीश कुमार रेड्डी ने दिए।

इसके बाद ओली पोप और जो रूट ने सावधानी से बल्लेबाजी की और लंच तक टीम को कोई और नुकसान नहीं होने दिया। दोनों के बीच 39 रन की साझेदारी हो चुकी है। पोप 34 गेंद में 12 और रूट 34 गेंद में 24 रन बनाकर खेल रहे हैं।

ये दोनों बल्लेबाज दूसरे सेशन में कैसा प्रदर्शन करते हैं, इस पर इंग्लैंड की पारी काफी हद तक निर्भर करेगी। अगर इनका विकेट गिरता है, तो भारतीय टीम का पलड़ा भारी होगा। अगर ये आउट नहीं हुए, तो इंग्लैंड बड़ा स्कोर बना सकती है। दोनों टीमें मैच में बड़े बदलाव के साथ उतरी हैं। भारत ने प्रसिद्ध कृष्णा की जगह तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को टीम में जगह दी है। उन्हें पिछले टेस्ट में वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया था।

हालांकि बुमराह पहले सेशन में अपना प्रभाव छोड़ने में सफल नहीं रहे हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने उन्हें सावधानी से खेला और कोई भी विकेट उन्हें नहीं दिया है। इंग्लैंड टीम ने भी एक बदलाव किया है। चार साल बाद जोफ्रा आर्चर टेस्ट क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। उन्हें जोश यंग की जगह टीम में मौका दिया गया है।

एमसीसी संग्रहालय में सचिन की तस्वीर का अनावरण हुआ

लंदन (ईएमएस)। यहां लॉर्ड्स स्थित एमसीसी संग्रहालय में भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की नई तस्वीर का अनावरण हुआ। ब्रिटिश कलाकार स्टुअर्ट पियर्सन राइट द्वारा बनाई गई इस तस्वीर में तेंदुलकर की विशाल छवि को दिखाय गया है और यह इस वर्ष के अंत में मंडप में स्थानांतरित किए जाने से पहले संग्रहालय में रहेगी। इसी को लेकर एमसीसी की संग्रह एवं कार्यक्रम प्रबंधक चार्लोट गुडह्यू ने कहा, सचिन तेंदुलकर जैसे व्यक्तित्व की तस्वीर को संग्रहालय में शामिल करना विशेष बात है। एमसीसी की संग्रहित तस्वीर में यह किसी भारतीय खिलाड़ी की पांचवीं और पियर्सन राइट द्वारा बनायी चौथी तस्वीर है। यहां तेंदुलकर से पहले कपिल देव, बिशन सिंह बेदी और दिलीप वेंगसरकर की तस्वीरें उन्होंने बनायी हैं। कपिल देव, बिशन बेदी और दिलीप वेंगसरकर की आदमकद तस्वीरों के विपरीत सचिन की तस्वीर सिर्फ उनकी छाती तक है। यह पेंटिंग 18 साल पहले मुंबई में तेंदुलकर के घर पर ली गई एक तस्वीर पर आधारित है।

ऋषभ बन सकते हैं टेस्ट में सबसे अधिक छक्के मारने वाले बल्लेबाज

लॉर्ड्स। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत यहां इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में सबसे अधिक छक्के मारने का रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। ऋषभ ने पहले टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाये थे, जबकि दूसरे मैच में भी उन्होंने एक अर्धशतक लगाया था, इस दौरान उन्होंने काफी छक्के लगाये थे। ऐस में अब उन्हें भारतीय टीम की ओर से टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के लिए केवल पांच छक्के चाहिये। अगर वह सीरीज के बाकी बचे तीन मैचों में पांच छक्के लगाने में सफल होते हैं तो इस प्रारुप में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। अभी वह टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज हैं। सबसे अधिक छक्के लगाने में ऋषभ पंत से पहले रोहित शर्मा और पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग हैं। सहवाग ने अपने करियर में 90 छक्के लगाये हैं जबकि रोहित के नाम 88 छक्के हैं जबकि ऋषभ पंत के नाम केवल 45 मैचों में ही 86 छक्के हैं। अगर वे 5 छक्के और लगा देते हैं तो भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। विश्व के के सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले शीर्ष 5 बल्लेबाजों में शामिल होने के लिए ऋषभ को केवल 13 छक्के ही चाहिये। इस सीरीज में इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने अब तक चार पारियों में 13 छक्के लगाये हैं।

फीफा रैंकिंग में भारत 133वें स्थान पर, नौ साल में सबसे खराब रैंकिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम जून में मिली दो हार से गुरुवार को जारी फीफा रैंकिंग में छह पायदान की गिरावट से 133वें स्थान पर खिसक गई। भारत चार जून को एक अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में थाईलैंड (0-2) से हार गया और फिर एशियाई कप क्वालीफाइंग दौर के मैच में उसे निचली रैंकिंग वाली हांगकांग (0-1) से भी पराजय झेलनी पड़ी।

इसके बाद मुख्य कोच मनोलो मारकेज ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) से नाता तोड़ लिया। इससे पहले पिछली बार भारतीय टीम की सबसे खराब रैंकिंग दिसंबर 2016 में थी जब वह 135वें स्थान पर थी। भारत की अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग फरवरी 1996 में 94 थी। भारतीय टीम के अभी 1113.22 रेटिंग अंक हैं जबकि पहले उसके 1132.03 अंक थे। वह 46 एशियाई देशों में 24वें स्थान पर है जिसमें जापान (17वीं रैंकिंग) सबसे आगे है।

भारतीय पुरुष टीम के लिए कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। हांगकांग के खिलाफ हार ने टीम की 2027 एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने की मुहिम को मुश्किल में डाल दिया है। मारकेज के मार्गदर्शन में टीम ने अपने पिछले आठ में से सिर्फ एक मैच में जीत दर्ज की और उसे यह जीत मार्च में मालदीव के खिलाफ मिली थी। इस सल भारत ने अभी तक चार मैच खेले हैं जिसमें से उसे एक में जीत मिली है जबकि दो मुकाबलों में उसे हार का सामना करना पड़ा जबकि एक मैच ड्रॉ रहा।

इन खराब नतीजों के कारण पूर्व कप्तान और स्टार स्ट्राइकर सुनील छेत्री की टीम में संन्यास से वापसी हुई लेकिन इससे टीम की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हुआ। भारत का अगला अंतरराष्ट्रीय मैच अक्टूबर में सिंगापुर के खिलाफ है जो एशियाई कप क्वालीफायर के तीसरे दौर का मुकाबला है। विश्व चैंपियन अर्जेंटीना 210 देशों की सूची में सबसे आगे है। इसके बाद शीर्ष 10 में स्पेन, फ्रांस, इंग्लैंड, ब्राजील, पुर्तगाल, नीदरलैंड, बेल्जियम, जर्मनी और क्रोएशिया शामिल हैं।

नोवाक जोकोविच 14वीं बार विंबलडन सेमीफाइनल में, विश्व नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर से होगा मुकाबला

लंदन। नोवाक जोकोविच ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके पुरुष एकल में रिकॉर्ड 14वीं बार विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में उनका सामना विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर से होगा। अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में लगे जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल में विश्व के 22वें नंबर के खिलाड़ी फ्लेवियो कोबोली को 6-7 (6), 6-2, 7-5, 6-4 से हराया। सात बार के विंबलडन चैंपियन ने 23 साल के कोबोली के खिलाफ अपने अनुभव का अ?छा प्रदर्शन किया। पहले गेम में शिकस्त झेलने के बावजूद जोकोविक ने हिम?मत नहीं हारी और कोर्ट पर अपनी शैली का प्रदर्शन करते हुए युवा खिलाड़ी को मात दी। इससे पहले तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिनर ने शानदार सर्विस और तेज फोरहैंड का इस्तेमाल करते हुए 10वीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को 7-6 (2), 6-4, 6-4 से हराया। जोकोविच को सिनर से पिछले चार मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा लेकिन विंबलडन में उन्होंने इटली के इस खिलाड़ी के खिलाफ जो दो मैच खेले हैं उनमें उन्होंने जीत हासिल की है। जोकोविच ने कहा, ''मैं इस बात को अच्छी तरह से जानता हूं कि इस समय यानिक को हराने के लिए मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।' इस बीच महिला एकल में इगा स्वियाटेक ने 19वीं वरीयता प्राप्त लियुडमिला सैमसोनोवा पर 6-2, 7-5 से जीत के साथ पहली बार विंबलडन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। स्वियाटेक फाइनल में जगह बनाने के लिए गैर-वरीयता प्राप्त बेलिंडा बेनसिच से भिड़ेंगी जिन्होंने सातवीं वरीय मीरा एंड्रीवा को 7-6 (3), 7-6 (2) से हराया।

अगले माह श्रीलंकाई दौरे में खेलते नजर आ सकते हैं विराट और रोहित

नई दिल्ली। रोहित शर्मा और विराट कोहली अगले माह एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज खेलते हुए नजर आ सकते हैं। भारतीय टीम के अगले माह श्रीलंका दौरे पर जाने की संभावना है। इसी दौर पर विराट और रोहित को खेलते हुए प्रशंसक देख सकते है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसीआई) से एक छोटी ही सीमित ओवरों की सीरीज खेलने का अनुरोध किया है। जिसपर बीसीसीआई विचार कर रहा है। भारतीय टीम को अगले महीने अगस्त में बांग्लादेश का दौरा करना था पर वहां के हालात ठीक नहीं होने से ये दौरा रद्द कर दिया गया था। जिसके बाद श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने बीसीसीआई से उसके वहां दौरे की पेशकश की थी। वहीं बीसीसीआई ने अब तक इस पर प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है प अगर ये सीरीज होती है तो प्रशंसक रोहित और विराट को खेलते हुए देख सकते हैं। दोनों ने ही टी-20 और टेस्ट फॉर्मेट से सन्यास ले लिया है और केवल एकदिवसीय क्रिकेट ही खेलते हैं। श्रीलंका ने तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 मैचों का कार्यक्रम बनाकर बीसीसीआई को भेजा है। भारतीय टीम इसी दौरान तीन मैच बांग्लादेश जाकर खेलने वाली थी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इस दौरे की संभावना काफी हद तक एशिया कप पर लिए जाने वाले फैसले पर आधारित रहेगी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया इस सप्ताह लंदन में लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान उपस्थित रहेंगे और वहीं खिलाड़ियों, मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर से बात करने के बाद ही कोई फैसला लेंगे। एशिया कप को लेकर फैसला अगले दो-तीन दिनों में आने की संभावना है।

श्रेयंका और साधु ऑस्ट्रेलिया दौर के लिए भारत ए टीम में, राधा करेंगी टीम की अगुआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल और तेज गेंदबाज टिटास साधु को अगले महीने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए बृहस्पतिवार को भारत ए महिला टीम में चुना गया। चोटों से वापसी करने वाली इन दोनों खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलियाई दौरे की टीम में शामिल किया गया जो सात से 24 अगस्त के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय, इतने ही वनडे और चार दिवसीय एक मैच खेलेगी।

श्रेयंका पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में हुए महिला टी20 विश्व कप के बाद से चोट के कारण नहीं खेल पा रही थीं। उन्हें सितंबर में महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूसीपीएल) में खेलने के लिए गत चैंपियन बारबाडोस रॉयल्स ने पहले ही चुन लिया है। वहीं साधु श्रीलंका में त्रिकोणीय श्रृंखला में नहीं खेली थीं और चोट के कारण अप्रैल में इंग्लैंड के मौजूदा सफेद गेंद के दौरे के लिए भी टीम में नहीं थीं।

श्रेयंका का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला में खेलना बीसीसीआई 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' से मंजूरी मिलने पर निर्भर करेगा जबकि साधु को मंजूरी मिल गई है। बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव टी20 अंतरराष्ट्रीय, एकदिवसीय और चार दिवसीय मुकाबले में टीम की कप्तानी करेंगी। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को भी सभी टीमों में शामिल किया गया है। इस आक्रामक सलामी बल्लेबाज का इंग्लैंड दौरा काफी निराशाजनक रहा है क्योंकि उन्होंने अब तक चार मैच में केवल 101 रन बनाए हैं और उनका उच्चतम स्कोर 47 रन है।

भारत की टी20 टीम

राधा यादव (कप्तान), मीनू मणि (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, डी वृंदा, सजना सजीवन, उमा छेत्री (विकेटकीपर), राघवी बिष्ट, श्रेयंका पाटिल, प्रेमा रावत, नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर), तनुजा कंवर, जोशिता वीजे, शबनम शकील, साइमा ठाकोर, टिटास साधु।

वनडे और चार दिवसीय टीम

राधा यादव (कप्तान), मीनू मणि (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, तेजल हसबनिस, राघवी बिष्ट, तनुश्री सरकार, उमा छेत्री (विकेटकीपर), प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवर, नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर), धारा गुज्जर, जोशिता वीजे, शबनम शकील, साइमा ठाकोर, टिटास साधु।

भारत ए बनाम ऑस्ट्रेलिया कार्यक्रम

पहला टी20 मैचः 7 अगस्त (मैके)
दूसरा टी20 मैचः 9 अगस्त (मैके)
तीसरा टी20 मैचः 10 अगस्त (मैके)
पहला वनडे मैच : 13 अगस्त (ब्रिसबेन)
दूसरा वनडे मैचः 15 अगस्त (ब्रिसबेन)
तीसरा वनडे मैच : 17 अगस्त (ब्रिसबेन)
चार दिवसीय मैच : 21-24 अगस्त (एलन बॉर्डर फील्ड)

शाहीन ने बुमराह को वर्तमान समय का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बताया

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने भारत के जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अभी विश्व के शीर्ष गेंदबाज हैं। शाहीन का एक वीडियो भी आया है जिससें उन्होंने बुमराह को 10 में से 10 नंबर दिये। जब उनसे पूछा जाता है कि बुमराह को 10 में से कितने अंक देंगे तो उनका जवाब था 10 नंबर। साथ ही कहा, वह वर्तमान समय के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। स्विंग, सटीकता, अनुभव के मामले में वह सबसे आगे हैं। इस गेंदबाज ने तीनों ही प्रारुपों में अबतक जबरदस्त प्रदर्शन किया है। उन्होंने 46 टेस्ट मैच में 210 विकेट लिए हैं। इस दौरान उन्होंने 14 बार 5 विकेट लिए हैं। वहीं 89 एकदिवसीय में उनके नाम 149 विकेट हैं। बुमराह ने 70 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 89 विकेट लिए हैं। बुमराह ने हैडिंग्ले के पहले टेस्ट मैच में 5 विकेट लिए थे। साल 2024-25 की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सभी 5 टेस्ट मैच खेले थे। इस दौरान उन्होंने 32 विकेट लिए थे। साल 2024 में उन्होंने अंतरराष्ट्री क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लिए थे। उन्हें पिछले साल आईसीसी ने क्रिकेटर ऑफ द ईयर और टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड से सम्मानित किया है हालांकि बार-बार चोटिल होने के कारण वह लगातार नहीं खेल पाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खाने-पीने की इन चीजों का सेवन करने से बचें

कम हो जाएगा लिवर से जुड़ी बीमारियों का खतरा

अगर आप अपने लिवर की सेहत को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं, तो आपको अपने खान-पान पर खास ध्यान देने की जरूरत है। अनहेल्दी खान-पान की वजह से आपका लिवर बुरी तरह से डैमेज हो सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि लिवर खून को साफ करने का काम करता है और अगर आपका लिवर हेल्दी नहीं रहेगा तो आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

फ्राइड फूड्स से परहेज करने की कोशिश करें

जो लोग अक्सर फ्राइड फूड्स खाते हैं, उन्हें लिवर से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। तला-भुना खाना लिवर में सूजन पैदा कर सकता है। लिवर से जुड़ी बीमारियों से बचने के लिए फ्राइड फूड्स से परहेज करने में ही समझदारी है।

शुगरी ड्रिंक्स पीने से बचना चाहिए

क्या आप अक्सर शुगरी ड्रिंक्स पीते हैं? अगर हां, तो आपकी इस आदत की वजह से लिवर से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। फैटी लिवर समेत दूसरी लिवर से जुड़ी समस्याओं से बचने के लिए शुगरी ड्रिंक्स को अपने डाइट प्लान में शामिल न करें।

नुकसान पहुंचा सकता है प्रोसेस्ड मीट

अगर आप भी अक्सर प्रोसेस्ड मीट का सेवन करते हैं, तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक प्रोसेस्ड मीट आपके लिवर की सेहत को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। यही वजह है कि आपको लिमिट में रहकर ही प्रोसेस्ड मीट को कंज्यूम करना चाहिए।

घातक साबित हो सकती है शराब पीने की आदत

अगर आप शराब पीते हैं, तो न केवल आपका लिवर बल्कि आपकी ओवरऑल हेल्थ बुरी तरह से डैमेज हो सकती है। सेहत से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए आपको शराब पीना छोड़ देना चाहिए।

दूध के साथ करें इन चीजों का सेवन

दूर हो जाएगी विटामिन बी12 की कमी

विटामिन बी12 की कमी आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है। इसलिए आपको इस जरूरी पोषक तत्व की कमी को जल्द से जल्द दूर करने की कोशिश करनी चाहिए। इसके लिए आप अपने डाइट प्लान में थोड़े बहुत बदलाव कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि दूध के साथ कुछ चीजों को कंज्यूम करके आपको विटामिन बी12 की कमी से छुटकारा मिल सकता है।

खा सकते हैं खजूर – विटामिन बी12 की कमी को दूर करने के लिए खजूर का सेवन किया जा सकता है। रात में सोने से पहले दो से चार खजूर को गुनगुने दूध के साथ कंज्यूम करने से जल्द ही विटामिन बी12 की कमी दूर हो सकती है। इसके अलावा इस तरह से खजूर का सेवन करके आप अपनी स्लीप क्वॉलिटी को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं।

दूध के साथ पनीर खाएं – पनीर में विटामिन बी12 की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। सोने से पहले गुनगुने दूध के साथ थोड़ा सा पनीर खाएं और विटामिन बी12 की कमी से छुटकारा पाएं। अगर आप अंडा खा लेते हैं, तो दूध के साथ बॉइल्ड एग को भी कंज्यूम कर सकते हैं। दूध के साथ पनीर या फिर अंडे का सेवन करके आप अपनी ओवरऑल हेल्थ को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं।

फायदेमंद साबित होगा मेथी दाना 9

अमरूद के पत्तों में छिपा है सेहत का खजाना

जानें इससे मिलते हैं कौन से फायदे और सेवन का सही तरीका

अमरूद का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं अमरुद के पत्तों भी आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर होते हैं। अमरुद के पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनिरल्स होते हैं जो समग्र स्वास्थ्य का समर्थन कर सकते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं अमरुद का सेवन करने से सेहत को कौन से फायदे होते हैं और इसका इस्तेमाल कैसे करें?

अमरुद के पत्तों से मिलते हैं ये फायदे:

पाचन होता है बेहतर: अमरूद के पत्ते एसिडिटी को कम करके और पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण को बढ़ावा देकर दस्त और सूजन जैसी पाचन समस्याओं में मदद कर सकते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है मजबूत: अमरूद के पत्तों में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट के उच्च स्तर प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

स्किन से जुड़ी परेशानियां होती हैं दूर: अमरूद के पत्तों का उपयोग उनके विरोधी भड़काऊ और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण मुँहासे, काले धब्बे और उम्र बढ़ने के संकेतों सहित विभिन्न त्वचा संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए किया जा सकता है।

दांतों के लिए फायदेमंद: अमरूद के पत्तों को चबाने से दांत दर्द और मसूड़ों की समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है। इसमें मौजूद जीवाणुरोधी गुण मसूड़ों की बीमारी, दांत दर्द और सांसों की बदबू को रोकने में मदद करते हैं।

हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी: अमरूद के पत्ते खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करके और संभावित रूप से रक्तचाप विनियमन का समर्थन करके हृदय स्वास्थ्य में योगदान दे सकते हैं।

रक्त शर्करा नियंत्रण: अमरूद के पत्ते रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, संभावित रूप से मधुमेह वाले व्यक्तियों या जोखिम वाले लोगों को लाभ पहुंचा सकते हैं।

पीरियड्स के दर्द में फायदेमंद: अमरूद के पत्ते मासिक धर्म में ऐंठन के लिए भी लाभ प्रदान कर सकते हैं, संभावित रूप से दर्द की तीव्रता को कम करने के साथ-साथ वजन घटाने में भी सहायता कर सकते हैं।

कैसे करें अमरुद के पत्तों का इस्तेमाल?

ताजे या सूखे अमरूद के पत्तों को 5-10 मिनट तक पानी में उबालें फिर उसे छानकर पिएं। आप स्वाद के लिए शहद या नींबू मिला सकते हैं। अमरूद के पत्तों को पानी में उबालकर ठंडा होने दें। शैम्पू करने के बाद ठंडे पानी से बालों को धोएँ, इससे बाल मजबूत होंगे और बालों का झड़ना कम होगा। आराम और सुगंधित स्नान के लिए अपने नहाने के पानी में अमरूद के पते डालें।

सुबह खाली पेट पिएं ये देसी ड्रिंक्स, वजन होगा तेजी से कम

अगर आपका वजन तेजी से बढ़ रहा है तो उसे कम करने के लिए अपनी डाइट में इन कुछ देसी ड्रिंक्स को शामिल करें। इन ड्रिंक्स को खाली पेट पीने से न केवल वजन कम होता है बल्कि सेहत से जुड़े अन्य कई फायदे मिलते हैं। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के साथ अपनी सुबह की दिनचर्या में इन ड्रिंक्स को शामिल करने से मेटाबॉलिज़्म तेज होता है जिससे वजन कम करना आसान हो जाता है। चलिए जानते हैं किन ड्रिंक्स के सेवन से बढ़ते मोटापे पर लगाम लगाया जा सकता है।

इन देसी ड्रिंक्स से करें दिन की शुरुआत:

नींबू पानी: नींबू पानी विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। खाली पेट सेवन करने से शरीर को डिटॉक्स करने, पाचन में सुधार करने और पेट भरा होने का एहसास दिलाती है। एक गिलास गर्म पानी में आधा नींबू का रस निचोड़ें। अच्छी तरह से हिलाएँ और इसे खाली पेट पिएँ।

जीरा पानी: जीरा रसोई का एक मुख्य हिस्सा है। जीरा पानी वजन कम करने के साथ आपका पाचन भी दुरुस्त करता है। साथ ही यह जीरा पानी पाचन एंजाइमों को एक्टिव करता है, जिससे खाना आसानी से पच जाता है। जीरा पानी पेट फूलना, कब्ज और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। एक कप पानी में 1 चम्मच जीरा रात भर भिगोएँ। सुबह इसे उबालें, छान लें और इसे गर्म-गर्म पीएँ। नाश्ते से कम से कम 20 मिनट पहले इसे पिएँ।

आंवला का जूस: आंवला विटामिन सी से भरपूर होता है और बेहतर पाचन को बढ़ाता है, वजन को कम करता है, मेटाबॉलिज़्म बढ़ाता है और बॉडी को डिटॉक्सफाई करता है। एक गिलास गर्म पानी में 2 बड़े चम्मच ताज़ा आंवला का जूस मिलाएँ। इसे खाली पेट पिएँ। इसे चाय या कॉफ़ी के साथ पीने से बचें।

दालचीनी का पानी: अगर आप वजन तेजी से कम करना चाहते हैं तो दालचीनी के पानी से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। दालचीनी का पानी चयापचय को तेज़ करने और इंसुलिन के स्तर को नियंत्रण में रखने में मदद कर सकता है, जिससे वजन प्रबंधन में सहायता मिलती है। एक कप पानी उबालें और उसमें एक चम्मच दालचीनी पाउडर या दालचीनी की एक छड़ी डालें। इसे 10 मिनट तक भीगने दें। छान लें और गरम-गरम पी लें।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए अंजीर का पानी

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अंजीर के पानी में पोटैशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम, विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन के, फाइबर, प्रोटीन, आयरन और जिंक समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इस ड्राई फ्रूट के पानी को ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आपको सुबह-सुबह खाली पेट अंजीर का पानी पीना चाहिए।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

अगर आप पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं तो अंजीर का पानी पीना शुरू कर दीजिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अंजीर का पानी आपकी गट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा फाइबर रिच अंजीर का पानी पीकर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को भी आसान बना सकते हैं।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए

क्या आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको अंजीर के पानी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना लेना चाहिए। अंजीर के पानी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके दिल की सेहत को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकते हैं। अंजीर का पानी आपकी बोन हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

मिलेंगे एक से बढ़कर एक फायदे

जो लोग कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, उन्हें अंजीर का पानी पीने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने के लिए भी इस ड्राई फ्रूट के पानी को कंज्यूम किया जा सकता है। सेहत से जुड़ी इन समस्याओं से छुटकारा पाने और शरीर को फौलादी बनाने के लिए हर रोज सुबह-सुबह अंजीर का पानी पीना शुरू कर दीजिए और महज कुछ ही हफ्तों के अंदर खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर देखिए।

कितनी देर में खराब हो जाती है चाय?

कई लोगों को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि सर्दियों का मौसम चल रहा है या फिर गर्मियों का, उन्हें दिन में एक से दो बार चाय तो पीनी ही होती है। कुछ लोग अपने दिन की शुरुआत चाय से करते हैं, तो वहीं कुछ लोग अपनी थकावट को दूर करने के लिए चाय का सेवन करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ज्यादा देर तक रखी हुई चाय को पीना आपकी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है?

कितनी देर में हो जाती है खराब?

दूध वाली चाय को ज्यादा देर तक नहीं रखना चाहिए। एक बार आपने चाय को पका लिया, तो आपको चाय को ठंडा होने से पहले पी लेना चाहिए। चाय को आधे घंटे से पहले ही पी लेना चाहिए। दूध वाली चाय हर्बल टी की तुलना में जल्दी खराब हो जाती है। हर्बल टी को आप कुछ घंटों तक फ्रिज में स्टोर करके रख सकते हैं।

डाइजेस्टिव सिस्टम पर पड़ सकता है बुरा असर

अगर आपने ज्यादा देर तक रखी हुई चाय को पिया, तो आपके डाइजेस्टिव सिस्टम पर बुरा असर पड़ सकता है। छोटी सी लगने वाली इस गलती की वजह से एसिडिटी, कब्ज और फूड पॉइजनिंग जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसके अलावा चाय को ज्यादा देर तक रखने के कारण उसके अंदर मौजूद पोषक तत्व भी कम होते चले जाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर पर रोक लगाने से किया इनकार, चुनाव आयोग को सलाह- तीन दस्तावेजों को दें मान्यता

सभी पक्ष 28 जुलाई तक करें जवाब दाखिल

नई दिल्ली।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर दाखिल याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने एसआईआर प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है, जिससे चुनाव आयोग को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाओं में लोकतंत्र और नागरिकों के मतदान अधिकार से जुड़ा गंभीर मुद्दा उठाया गया है, जिस पर विस्तृत सुनवाई की जरूरत है।

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग को सुझाव दिया कि वह आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड जैसे तीन प्रमुख दस्तावेजों को मतदाता की पहचान के लिए स्वीकार करने पर विचार करे। कोर्ट ने कहा कि आयोग द्वारा मांगे गए दस्तावेजों की संख्या को सीमित करने से आम नागरिकों को सुविधा होगी।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने तर्क दिया कि नागरिकता का निर्धारण केंद्र सरकार करती है, न कि कोई बूथ लेवल ऑफिसर।

अगर चुनाव आयोग मतदाता की नागरिकता तय करेगा, तो यह संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयोग का 24 जून का आदेश संविधान और कानून के अनुरूप नहीं है।

वहीं, चुनाव आयोग की ओर से पेश वकील ने बताया कि 2003 में भी इसी तरह की इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया अपनाई गई थी, और वर्तमान में भी पूरी पारदर्शिता के साथ वही प्रक्रिया दोहराई जा रही है। आयोग ने बताया कि उसने मतदाता सत्यापन के लिए 11 दस्तावेजों को मान्यता दी है, और नागरिकता तय करना उसका उद्देश्य नहीं, बल्कि मतदाता की पहचान सुनिश्चित करना है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि एसआईआर प्रक्रिया पर रोक नहीं लगाई जाएगी, लेकिन सभी पक्षों को 28 जुलाई तक विस्तृत जवाब दाखिल करने होंगे। इसके बाद इस मामले में आगे की सुनवाई होगी।

यहां मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण में नागरिकता के मुद्दे को क्यों उठाया जा रहा है। यह गृह मंत्रालय का अधिकार क्षेत्र है। कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण में दस्तावेजों की सूची में आधार कार्ड पर विचार न करने को लेकर निर्वाचन आयोग से सवाल पूछा।

संक्षिप्त समाचार

अवैध ऑनलाइन जुआ कंपनी पर ईडी का छापा, 284 करोड़ की राशि की फ्रीज

चंडीगढ़।

हरियाणा में अवैध ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी गतिविधियों के जरिए लोगों को ठगने से जुड़े मामले में एक कंपनी की 284 करोड़ रुपए से ज्यादा की एफडी और शेयरों के लेनदेन पर रोक लगा दी है। ईडी ने अपने बयान में कहा कि उसने मंगलवार से दो दिन तक हरियाणा के गुरुग्राम और जींद में 'प्रोबो मीडिया टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड' फर्म समेत उसके प्रवर्तक सचिन सुभाषचंद्र गुप्ता और आशीष गर्ग के चार परिसरों में छापे मारे। कंपनी 'प्रोबो' नाम से एक मोबाइल ऐप और वेबसाइट चलाती थी। हरियाणा के गुरुग्राम और पलवल व यूपी के आगरा में इस कंपनी और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ दर्ज कई प्राथमिकी के बाद धन शोधन का यह मामला सामने आया। ईडी के मुताबिक शिकायतकर्ताओं ने पुलिस को बताया कि उनके साथ धोखा हुआ है और बेईमानी से उन्हें एक योजना पेश की, जिसमें सरल रूप से 'हां या नहीं' प्रश्नों के जरिए पैसा कमाने के नाम पर जाल में फंसाया गया। जबकि वास्तव में यह साजिश है जो कथित रूप से ज्यादा रिटर्न कमाने का लालच देकर लोगों को ज्यादा निवेश करने के लिए लुभाती है और जुआ को बढ़ावा देती है। ईडी ने बताया कि छापेमारी के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल डेटा जब्त किया गया है जबकि 284.5 करोड़ रुपए की एफडी और शेयर में निवेश व तीन बैंक लॉकर फ्रीज कर दिए गए हैं।

टोल प्लाजा पर गार्ड को स्कॉर्पियो ने कुचला, अस्पताल में भर्ती

पटना।

पटना में एक स्कॉर्पियो कार ने गार्ड सूरज कुमार को कुचल दिया। इसका सीसीटीवी फुटेज अब सामने आया है। पूरा मामला 3 जुलाई का बताया जा रहा है, जहां गार्ड विनोद कुमार पटना-बख्तियारपुर एनएच-30 स्थित दीदारगंज टोल प्लाजा पर ड्यूटी कर रहे थे। सूरज कुमार लेन नंबर 7 पर एक खराब वाहन को साइड करवा रहे थे। इस दौरान लेन नंबर 8 से आ रही एक स्कॉर्पियो अचानक लेन नंबर 7 में घुस गई। स्कॉर्पियो ने सूरज को कुचल दिया। हादसे में उनके बाएं पैर की हड्डी टूट गई। उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस मामले को लेकर टोल प्लाजा के सहायक प्रशासनिक प्रबंधक ने दीदारगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई। थाने ने मामला जीरो माइल ट्रैफिक थाना को ट्रांसफर कर दिया है। वहीं ट्रैफिक थाना प्रभारी ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। स्कॉर्पियो को भी जब्त कर लिया है। नालंदा निवासी आरोपी ड्राइवर को जमानत पर रिहा भी कर दिया गया है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत बना वैश्विक आपदा राहत प्रदाता- डॉ. पी.के. मिश्रा

बैंगलोर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आपदा राहत और मानवीय सहायता (एचएडीआर) के क्षेत्र में एक वैश्विक नेता के रूप में उभरा है। यह बात पीएम के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा ने भारतीय प्रबंधन संस्थान, बैंगलोर में सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी की रजत जयंती के मौके पर कही। डॉ. मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की आपदा प्रबंधन प्रणाली में हाल के वर्षों में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। खासकर गुजरात भूकंप पुनर्निर्माण कार्यक्रम, ओडिशा सुपर साइक्लोन और 2004 की सुनामी जैसी आपदाओं से सीखे गए सबक ने देश को एक बेहतर, तकनीकी रूप से सक्षम और संस्थागत रूप से मजबूत प्रणाली विकसित करने में मदद की है। उन्होंने कहा कि भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि आपदा के दौरान मृत्यु दर में कमी है, जो कि सेंडाई फ्रेमवर्क के तहत भारत की वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रमाण है। डॉ. मिश्रा ने भारत की एनडीआरएफ, आधुनिक पूर्व-चेतावनी प्रणाली, आपदा के बाद सामाजिक सुरक्षा और डिजिटल राहत वितरण प्रणाली को देश की सफलता की कुंजी बताया। भारत की अंतरराष्ट्रीय सक्रियता पर बोलते हुए, उन्होंने नेपाल (2015), तुर्की (2023) और म्यांमार (2025) में भारत द्वारा भेजी गई आपदा राहत टीमों का उदाहरण दिया। भारत अब न सिर्फ क्षेत्रीय, बल्कि वैश्विक स्तर पर संकट के समय सहायता देने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने आपदा रोधी इन्फ्रास्ट्रक्चर गठबंधन (सीडीआरआई) को भारत की एक अभिनव पहल बताया, जो जलवायु अनुकूल और टिकाऊ इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देता है।डॉ. मिश्रा ने इस बात पर बल दिया कि अब भारत की चुनौती है कि वह इस प्रगति को बनाए रखते हुए शहरी बाढ़ और लू जैसे नए खतरों से निपटने के लिए तैयारी करे, और आपदा वित्तपोषण, पुनर्निर्माण और शमन में जलवायु अनुकूल रणनीतियों को शामिल करे।

पीएम मोदी ने राजनाथ सिंह को दी जन्मदिन की बधाई बोले- आत्मनिर्भर भारत में बड़ा योगदान

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को 74वें जन्मदिन की बधाई दी है। उन्होंने सिंह की सराहना करते हुए कहा कि भारत की आत्मनिर्भरता में उनका बड़ा योगदान रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को जन्मदिन की शुभकामनाएं। वे अपनी मेहनत और बुद्धिमत्ता के लिए प्रसिद्ध हैं। रक्षा क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने और हमारी सेनाओं को मजबूत करने में उनका योगदान सराहनीय है। ईश्वर से उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की प्रार्थना करता हूं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजनाथ सिंह को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, भारतीय राजनीति में आदर्श, शुचिता और संयम की प्रतिमूर्ति, भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्य और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। आपका पांच दशकों से अधिक का सार्वजनिक जीवन राष्ट्रनीति, राष्ट्रीय सुरक्षा और नैतिक राजनीति का उज्ज्वल उदाहरण है। प्रभु श्री राम की कृपा आप पर बनी रहे। आपको उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन की प्राप्ति हो। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने राजनाथ सिंह को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, केंद्रीय कैबिनेट में मेरे साथी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगलमय जीवन की प्रार्थना करता हूं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी राजनाथ सिंह को बधाई दी। उन्होंने कहा, रक्षा मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश की सैन्य शक्ति को निरंतर सुदृढ़ करने और रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में आप सराहनीय कार्य कर रहे हैं। संगठन से लेकर सरकार तक आपने सभी दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर सामाजिक जीवन जीने वालों को प्रेरित किया है। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की प्रार्थना करता हूं।

रिटायर के बाद अपना जीवन वेदों, उपनिषदों और प्राकृतिक खेती को समर्पित करुंगा

गृह मंत्री शाह ने अहमदाबाद में एक कार्यक्रम में रिटारमेंट को लेकर किया खुलासा

नई दिल्ली।

देश के गृह मंत्री अमित शाह ने अपने रिटारमेंट को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि वह रिटायर होने के बाद अपना जीवन प्राकृतिक खेती को समर्पित करेंगे यह बात उन्होंने अहमदाबाद के एक कार्यक्रम में कही। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि वह अपना समय वेदों, उपनिषदों और प्राकृतिक खेती समेत धर्मग्रंथों को पढ़ने में लगाएंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबकि अमित शाह ने कहा कि रिटायर होने के बाद उनकी योजना अपना जीवन वेदों, उपनिषदों और प्राकृतिक खेती को समर्पित करने की है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती एक विज्ञान-आधारित तकनीक है जिसके कई लाभ हैं। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों से उगाए गए गेहूँ से कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होती हैं, जिनमें रक्तचाप, मधुमेह, थायरॉइड जैसी जीवनशैली संबंधी कई बीमारियां और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियां शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उर्वरकों का इस्तेमाल करके उगाया गया गेहूं थायराइड, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कैंसर का कारण बन सकता है। शाह ने कहा कि अगर आप रसायनों और उर्वरकों से मुक्त भोजन का सेवन करते हैं, तो आपको किसी दवा की जरुरत नहीं होगी। फसल की पैदावार भी बढ़ेगी, जो प्राकृतिक खेती का एक और लाभ है। अपने खेत में इस कृषि तकनीक को लागू करने के बाद उपज में डेढ़ गुना वृद्धि हुई है। प्राकृतिक खेती एक ऐसी कृषि पद्धति है जो रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के इस्तेमाल के बिना, प्रकृति के सिद्धांतों का पालन करती है।

अब तक 1.28 लाख ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन, मिल रहीं बेहतर सुविधाएं

पहलगाम।

अमरनाथ यात्रा के सातवें दिन 16,720 श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन किए। यात्रा की शुरुआत 3 जुलाई से हुई थी और अब तक 1.28 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री यहां पहुंच कर दर्शन कर चुके हैं। यह पवित्र यात्रा 9 अगस्त तक चलेगी। यात्रा के शुरुआती 6 दिनों में तीर्थयात्रियों की संख्या लगातार बढ़ती रही। 3 जुलाई 12,348, 4 को 14,515, 5 को 21,109, 6 को 21,512 और 7 जुलाई को 23,857 श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए। अब तक 4 लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। जो श्रद्धालु ऑन-स्पॉट पहुंचे, उन्हें भी रजिस्ट्रेशन की सुविधा मिल रही है।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए प्रशासन ने 581 सुरक्षा बलों की टुकड़ियां तैनात की हैं, जिनमें सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी और सीआईएसएफ शामिल हैं।

हर 50 मीटर पर जवान तैनात किया गया है। हर 2 किलोमीटर पर मेडिकल कैंप, गुफा की ओर चार नए स्टैंड, अलग-अलग रास्ते पैदल, घोड़ा, पालकी और भंडारों में भोजन, रहने और

शौचालय की बेहतर व्यवस्था की गई है। मुंबई से आए एक तीर्थयात्री ने बताया कि यहां व्यवस्था बेहद सुचारु है। भंडारे में भोजन उत्तम है, शौचालय व आवास की व्यवस्था संतोषजनक है। दर्शन के लिए भीड़ के बावजूद सब व्यवस्थित ढंग से हो रहा है।

एफएटीएफ की रिपोर्ट ने पाक के खिलाफ भारत के आरोपों पर लगा दी मुहर

भारत समेत कई देशों ने पाकिस्तान को ग्रे सूची में फिर डालने की मांग

नई दिल्ली।

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की जुलाई 2025 की रिपोर्ट ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत लगाए गए आरोपों पर मुहर लगा दी है। आतंकवाद के वित्तपोषण पर नजर रखने वाली इस अंतरराष्ट्रीय संस्था ने पहली बार रिपोर्ट में पाकिस्तान को राज्य प्रायोजित आतंकवाद का केंद्र बताया है और उसकी गंभीर अंतरराष्ट्रीय उल्लंघनों की ओर इशारा किया है।

रिपोर्ट में एफएटीएफ ने लश्कर-ए-तैय्यबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों को मिलने वाली राज्य प्रायोजित फंडिंग, सैन्य सहयोग, लॉजिस्टिक सपोर्ट, प्रशिक्षण, और ट्रेड-बेस्ड मनी लॉन्ड्रिंग का खुलासा किया है। संस्था ने चेतावनी देते हुए कहा है कि कोई भी राज्य अगर आतंकी संगठनों को धन या संसाधन देता है, तो यह अंतरराष्ट्रीय मानकों और दायित्वों का सीधा उल्लंघन है।

बता दें भारत बार-बार यह दावा करता रहा है कि पाकिस्तान की सरकार और सेना आतंकी संगठनों को सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन देती है।

एफएटीएफ की यह रिपोर्ट रिस्क असेसमेंट में दर्ज बिंदुओं की पुष्टि करती है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पाकिस्तान सीमा के जरिए आतंकी गतिविधियों को प्रायोजित करने के प्रयास, जैसे पहलगाम में हमला, चीन से डुअल-यूज़ मिसाइल सामग्री की आपूर्ति और पूर्वी एशिया में नकली एनजीओ के जरिए फंडिंग, साफ तौर पर राज्य-प्रायोजित नेटवर्क की ओर इशारा करते हैं।

रिपोर्ट में बताया कि पाकिस्तान में आतंकी संगठनों का इस्तेमाल मानवीय सहायता की आड़ में आतंकी फंडिंग के लिए किया गया।

इसके अलावा आतंकियों तक संसाधन पहुंचाने की साजिश भी बेनकाब की गई, जैसे- कच्चे तेल को तीसरे देश भेजना, वहां सोने में बदलकर असली गंतव्य तक पहुंचाना, व्यापार के जरिए धनशोधन की नई रणनीति अपनाना, यह मॉडल वैश्विक वित्तीय पारदर्शिता को कमजोर करता है और संभावित रूप से राज्य की मंजूरी से संचालित होता है।

चिनाब का पानी डायवर्ट करने से हरियाणा समेत कई राज्यों को होगा फायदा

पंजाब सीएम ने सतलज यमुना लिंक नहर पर विवाद को लेकर दिया सुझाव

चंडीगढ़।

पंजाब सीएम भगवंत मान ने हरियाणा के साथ चल रहे सतलज यमुना लिंक नहर पर विवाद को लेकर कहा कि नहर के पानी को लेकर विवाद पूरी तरह से खत्म हो सकता है, यदि इसमें चिनाब नदी का पानी मिला दिया जाए। उनका कहना है कि इससे इतना पानी आ जाएगा कि पंजाब, हरियाणा के साथ ही राजस्थान और मध्य प्रदेश तक की जरूरतें पूरी हो जाएंगी। उन्होंने जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल की ओर से बुलाई बैठक में यह सुझाव दिया।

उन्होंने कहा कि फिलहाल तो हमारे पास एक बूंद पानी भी अतिरिक्त नहीं है, जो हरियाणा या फिर किसी अन्य को दिया जाए।

उन्होंने कहा कि चिनाब नदी के पानी को पंजाब की ओर डायवर्ट करने का काम तेजी से करना चाहिए। यह पानी आ जाए तो उसे हरियाणा, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों के साथ साझा किया जा सकेगा।

सिंधु जल समझौते के तहत सिंधु रिवर सिस्टम की तीन पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब के पानी पर पाकिस्तान को अधिकार दिया गया है, लेकिन भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद से समझौता स्थगित कर दिया है।

फिलहाल सतलज-यमुना लिंक नहर को लेकर 5 अगस्त को फिर से बैठक होगी। इसके अलावा 13 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है।

माना जा रहा है कि पंजाब सरकार की ओर से चिनाब नदी को डायवर्ट करने की बात सुप्रीम कोर्ट में भी रखी जा सकती है। इस मामले में मध्यस्थता के लिए सुप्रीम कोर्ट ने जल शक्ति मंत्री को कहा था, लेकिन आपसी सहमति से फिलहाल मसले का हल निकलता नहीं दिख रहा है। इस बैठक में सीएम भगवंत मान ने मौजूदा स्थिति में तो पानी रिलीज करने से इनकार कर दिया, लेकिन एक नया सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि सिंधु जल समझौता टूटने से एक अवसर मिला है और चिनाब का पानी यहां लाकर मसले का हल निकाला जा सकता है।

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और भूस्खलन से मची तबाही, 208 सड़कें ब्लॉक

मंडी।

हिमाचल प्रदेश में इन दिनों भारी बारिश और भूस्खलन ने तबाही मचा दी है। अब तक इससे 85 लोगों की मौत हुई है। वहीं, बीते 24 घंटों में 208 सड़कें ब्लॉक हुईं हैं।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के मुताबिक, अब तक 54 मौतें सीधे तौर पर भूस्खलन, अचानक बाढ़ और बादल फटने जैसी घटनाओं के कारण हुईं हैं, जबकि 31 मौतें सड़क दुर्घटनाओं में हुईं हैं।

एसडीएमए ने बताया कि बीते 24 घंटों में 204 सड़कें भारी बारिश की वजह से ब्लॉक हुई हैं, जिसमें मंडी को कोटली होते हुए धरमपुर से जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-003 भी शामिल है।

इसके अलावा, राज्य भर में 192 वितरण ट्रांसफार्मर (डीटीआर) और 740 जलापूर्ति योजनाएं भी बाधित हुई हैं।

बता दें कि इस मूसलाधार बारिश और भूस्खलन में मंडी जिला सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है, जहां सबसे ज्यादा सड़कें (138) ब्लॉक हैं। इतना ही नहीं यहां बिजली-पानी की समस्या की उत्पन्न हो गई है। दोनों की आपूर्ति ठप्प है। राज्य सरकार और राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य लगातार स्थिति को बेहतर करने में जुटे है।

जल और बिजली विभाग भी लगातार काम कर जल और बिजली की सप्लाई सुचारु करने में जुटा है। वहीं कुल्लू में भारी बारिश के कारण 20 सड़कें ब्लॉक हैं, जबकि सिरमौर और कांगड़ा में भी काफी नुकसान की सूचना मिली है। विभाग ने अपने लेटेस्ट अपडेट में इस बात की जानकारी दी है।

दूसरी ओर, राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के अधिकारियों ने कहा कि सभी आपातकालीन सेवाएं अलर्ट पर हैं। सड़क संपर्क, बिजली और पानी की आपूर्ति बहाल करने का काम जारी है। एसडीएमए ने जनता से संवेदनशील मार्गों, खासकर ऊंचाई वाले और भूस्खलन-प्रवण क्षेत्रों में यात्रा करने से बचने की अपील की है, क्योंकि आने वाले दिनों में और बारिश होने का अनुमान है।

सीएम ने प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

उधर, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू ने मंडी जिले के सेराज विधानसभा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने पीड़ितों के लिए बग्सियाड़ में स्थापित राहत शिविर का भी निरीक्षण किया और प्रदान की जा रही सहायता पर प्रतिक्रिया ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिराज विधानसभा क्षेत्र में राहत और बचाव कार्य प्रभावी ढंग से चलाए जा रहे हैं।

मणिपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, बड़ी संख्या में हथियार किए बरामद

दो संदिग्ध गिनमिनलेन हाओकिप और होलमिनलेन खोंगसाई गिरफ्तार

इंफाल।

मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस की संयुक्त टीमों ने अलग-अलग अभियानों के दौरान महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।

हाल ही में बिष्णुपुर जिले के मोइरांग पुलिस स्टेशन के अंतर्गत उयुंगमाखोंग क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए। इस दौरान एक खाली मैगजीन के साथ एके-56 राइफल, एक .303 राइफल, एक डबल बैरल बंदूक और जिंदा गोलियां बरामद हुई हैं। इसी दिन फौगाकचाओ पुलिस स्टेशन क्षेत्र के दोपकोन और नगानुकोन गांवों के बीच तलाशी अभियान में एक 303 लाइट मशीन गन, दो सिंगल बैरल बंदूकें, एक खाली मैगजीन, सात जिंदा 12 बोर कारतूस और करीब 3.9 किलोग्राम वजन के चार आईईडी (विस्फोटक सामग्री) बरामद किए गए। इसके अलावा, मणिपुर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की संयुक्त टीम ने तुपुल पुल के पास चुराचांदपुर से कांगपोकपी की ओर जा रहे एक वाहन को रोककर तलाशी ली। तलाशी में 2.193 किलोग्राम हेरोइन और ब्राउन शुगर की 196 साबुन के डिब्बों में छुपाई गई खेप मिली। इस मामले में दो संदिग्ध गिनमिनलेन हाओकिप और होलमिनलेन खोंगसाई को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई मणिपुर में नशा तस्करी और हथियारों की अवैध बिक्री को रोकने की दिशा में अहम कदम है। इसके अलावा, 4 जुलाई को मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स, भारतीय सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की संयुक्त टीमों ने चार पहाड़ी जिलों में व्यापक तलाशी अभियान चलाकर और भी कई हथियार, विस्फोटक और गोला-बारूद बरामद किए थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के चार उच्च न्यायालयों के नए मुख्य न्यायाधीशों ने ली शपथ

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के चार उच्च न्यायालयों के नए मुख्य न्यायाधीशों ने मंगलवार को अलग-अलग समारोहों में अपने-अपने पद की शपथ ली। ये शपथ ग्रहण कार्यक्रम राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की ओर से आयोजित किए गए। उन्होंने यह नियुक्तियां पाकिस्तान के न्यायिक आयोग की सिफारिश पर की थीं। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश मोहम्मद सरफराज डोगर ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में शपथ ली। इसके अलावा, पेशावर उच्च न्यायालय के लिए न्यायमूर्ति सैयद मोहम्मद अतीक शाह, बलूचिस्तान उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रोजी खान बराच, सिंध उच्च न्यायालय के लिए न्यायमूर्ति जुनैद गफ्फार ने भी शपथ ली।

यमन के हूती विद्रोहियों का लाल सागर में जहाज पर हमला, तीन की मौत

सना, एजेंसी। यूरोपीय संघ की नौसेना ने मंगलवार को बताया कि यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में एक मालवाहक जहाज पर हमला किया, जिसमें 3 नाविकों की मौत हो गई और 2 लोग घायल हो गए। यह जहाज लाइबेरिया के झंडे वाला था। इस घटना से पता चलता है कि हूती विद्रोही फिर से इस अहम समुद्री रास्ते पर जहाजों को निशाना बना रहे हैं, जो दुनिया के व्यापार के लिए बहुत जरूरी है। यह हमला एक ग्रीस की कंपनी के जहाज इटरनिटी सी पर हुआ। इससे पहले, रविवार को हूतियों ने एक और जहाज पर हमला किया था और दावा किया था कि वह जहाज बाद में डूब गया। यह 2024 के अंत के बाद हूतियों द्वारा किया गया पहला बड़ा हमला है। हाल ही में इस रास्ते से ज्यादा जहाज गुजरने लगे थे।

ब्राजील में किशोर ने स्कूली बच्चों पर किया हमला, नौ वर्षीय बच्चे की मौत

ब्रासीलिया हवे, एजेंसी। ब्राजील के एक स्कूल में मंगलवार को 16 साल के एक लड़के ने बच्चों पर हमला कर दिया, जिसमें एक नौ वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। यह घटना देश के दक्षिणी राज्य रियो ग्रांडे डो सुल के एस्टाकाओ नामक शहर में हुई। अधिकारियों ने बताया कि हमलावर लड़के को थोड़ी ही देर में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि इस हमले में एक और बच्चा और एक शिक्षक भी घायल हो गए हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, हमले में चाकू का इस्तेमाल किया गया। पुलिस का कहना है कि हमला क्यों किया गया, इसका कारण अभी पता नहीं चला है और जांच जारी है। हमलावर लड़के का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था। पुलिस ने उसकी पहचान भी उजागर नहीं की है। हमले के बाद, एस्टाकाओ नगर प्रशासन ने इलाके के सभी स्कूलों में कक्षाएं अनिश्चित समय के लिए बंद कर दी हैं।

घाना के राष्ट्रपति ने अवैध सोने की खुदाई रोकने के लिए विशेष टास्क फोर्स बनाई

अक्रा, एजेंसी। घाना के राष्ट्रपति ने मंगलवार को एक विशेष टास्क फोर्स बनाई है ताकि देश में अवैध रूप से सोना निकालने और उसकी तस्करी को रोका जा सके। ये समस्या घाना में काफी समय से चली आ रही है और देश के लिए बड़ी चिंता का कारण बनी हुई है। घाना में अवैध खनन को स्थानीय भाषा में गैलमसी कहा जाता है। यह मुद्दा पिछले साल हुए राष्ट्रपति चुनाव में बहुत चर्चा में था और लोगों ने इस पर सरकार की आलोचना भी की थी। राष्ट्रपति जॉन महामा ने इस नई टीम का उद्घाटन करते हुए कहा कि इसका मकसद साफ है- इस समस्या से सख्ती से निपटना। यह टास्क फोर्स पुलिस, सेना और दूसरी सुरक्षा एजेंसियों के लोगों से बनी है। इसे यह अधिकार दिया गया है कि वह अवैध खनन करने वालों को पकड़ सके और हिरासत में ले सके।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का भी दावा- ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान युद्ध रोका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया। हालांकि भारत सरकार ट्रंप के दावे को खारिज कर चुकी है और भारत का कहना है कि पाकिस्तान की तरफ से संघर्ष विराम की पहल हुई। हालांकि भारत द्वारा ट्रंप के दावे को खारिज किए जाने के बावजूद ट्रंप कई बार कह भारत-पाकिस्तान का युद्ध रुकवाने का श्रेय ले चुके हैं। अब अमेरिका के विदेश मंत्री ने भी यही दावा किया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को रोका। मंगलवार को व्हाइट हाउस में कैबिनेट की बैठक में ट्रंप की मौजूदगी में रुबियो ने कहा, मैं यहां एक सूची देख रहा हूं। जिसमें आपके (राष्ट्रपति ट्रंप) नेतृत्व में, हमने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को रोका और समाप्त किया। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और रवांडा के बीच शांति समझौता कराया। 12-दिवसीय युद्ध जो एक अमेरिकी ऑपरेशन के साथ समाप्त हुआ, जिसे दुनिया में सिर्फ हम ही कर सकते थे। उम्मीद है कि जल्द ही अज़रबैजान और आर्मेनिया के बीच शांति समझौता हो जाएगा। पूरे मध्य पूर्व और इसके बुनियादी ढांचे में अब सीरिया और लेबनान के कारण बदलाव की संभावना है। यह आपके नेतृत्व का सबूत है। गौरतलब है कि एक दिन पहले ही खुद राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर से दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया। ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों के बीच परमाणु युद्ध हो सकता था। ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ द्विपक्षीय रात्रिभोज से पहले मीडिया से बात करते हुए कहा, हमने भारत और पाकिस्तान, सर्बिया, कोसोवो, रवांडा और कांगो और कई अन्य देशों के साथ के साथ काम किया है, जो लड़ने वाले थे, और यह सब पिछले तीन सप्ताहों में हुआ है। हमने बहुत सारी लड़ाइयां रोकी हैं। मुझे लगता है कि सबसे बड़ी लड़ाई भारत और पाकिस्तान की थी। हम भारत के साथ काम कर रहे हैं। हम पाकिस्तान के साथ काम कर रहे हैं। हमने कहा कि अगर आप लड़ने जा रहे हैं तो हम आपके साथ व्यापार नहीं करेंगे। वे दोनों परमाणु शक्ति संपन्न हैं। और मुझे लगता है कि इसे रोकना बहुत महत्वपूर्ण था। राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम कराने के दावों और इस पर भारतीय सरकार के रुख पर अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा, बहुत सारी टिप्पणियां अपने आप में ही सब कुछ बयां कर देती हैं।

पाकिस्तान में प्रधानमंत्री शहबाज के तख्तापलट की आशंका: राष्ट्रपति जरदारी के इस्तीफे की चर्चा तेज

सेना का नया गेम- मुनीर अगले राष्ट्रपति, बिलावल नए पीएम

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की सियासत में इन दिनों जबरदस्त हलचल है। चर्चाएं जोरों पर हैं कि राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को जल्द ही पद छोड़ने के लिए कहा जा सकता है और उनके स्थान पर शक्तिशाली सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर देश के नए राष्ट्रपति बन सकते हैं। इसके साथ ही पाकिस्तान में मौजूदा संसदीय प्रणाली को बदलकर राष्ट्रपति प्रणाली लागू किए जाने की भी तैयारी बताई जा रही है। सत्ता परिवर्तन का खेल पाक आर्मी के समर्थन से हो रहा है।

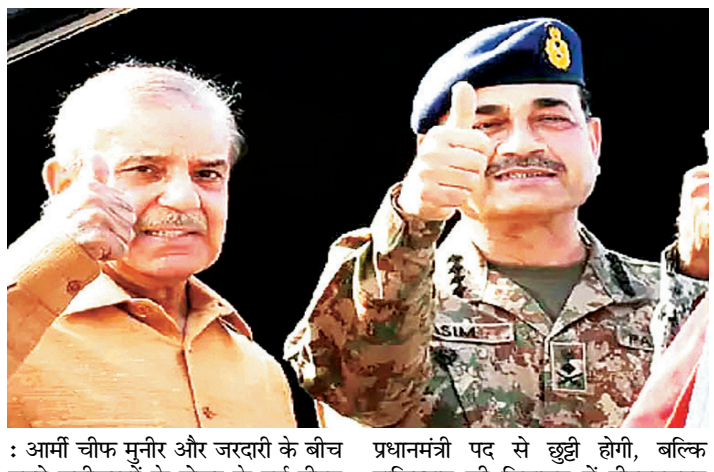

: आर्मी चीफ मुनीर और जरदारी के बीच बढ़ने समीकरणों के लेकर के पूर्व पीएम नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएलएन) ने विरोध जताना शुरू कर दिया है। मौजूदा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनकी पार्टी पीएमएलएन इस संभावित बदलाव का विरोध कर रहे हैं। उन्हें डर है कि यदि राष्ट्रपति प्रणाली आई तो न केवल शहबाज की प्रधानमंत्री पद से छुट्टी होगी, बल्कि पाकिस्तान की सियासत में पीएमएलएन और शरीफ परिवार की प्रासंगिकता भी खत्म हो जाएगी। खबर है कि इसलिए पीएमएलएन पाकिस्तानी आर्मी के विभिन्न धड़ों से संपर्क में हैं, ताकि बिलावल के उदय को रोका जा सके।

बिलावल को पीएम बनाने की मांग पीपीपी में तेज : पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता आसिफ अली जरदारी के इस्तीफे की चर्चा उनकी गिरती सेहत के आधार पर हो रही है। रिपोर्टों के अनुसार, जरदारी ने यह शर्त रखी है कि अगर बिलावल भुट्टो जरदारी को कोई ऐसा बड़ा पद मिले जहां वह एक परिपक्व नेता के रूप में उभर सकें, तो वह इस्तीफा दे सकते हैं। पीपीपी ने बिलावल भुट्टो के लिए पीएम का पद मांगा है। हालांकि, खुद पीपीपी के अंदर बिलावल की भूमिका को लेकर मतभेद हैं।

संविधान संशोधन कर सकते हैं आर्मी चीफ मुनीर : आर्मी चीफ मुनीर का दखल पाकिस्तानी संसद, न्यायपालिका और विदेश नीति पर भी देखा जा रहा है। उनकी वॉशिंगटन, रियाद और बीजिंग जैसी जगहों पर उनकी हाई-प्रोफाइल कूटनीतिक यात्राएं इस बात का प्रमाण हैं कि वे पाकिस्तान के 'स्थायित्व दूत' के रूप में देखे जाते हैं। विश्लेषकों का मानना है कि असीम मुनीर राष्ट्रपति बनकर सिर्फ प्रतीकात्मक पद पर नहीं रहना चाहते, बल्कि पाकिस्तान की पूरी राजनीतिक व्यवस्था में बदलाव लाना चाहते हैं।

यह प्रयास जनरल जिया-उल-हक के 1977 के तख्तापलट की वर्षगांठ के समय सामने आया है, जिससे इसे एक 'सॉफ्ट कू' के रूप में देखा जा रहा है। कहा जा रहा है कि संसद, न्यायपालिका और मीडिया पर असीम मुनीर का पूर्ण नियंत्रण है और इसलिए संविधान में बदलाव कर राष्ट्रपति प्रणाली लागू करने में उन्हें कोई खास मुश्किल नहीं होगी।

पहले भी 3 सेना प्रमुख राष्ट्रपति बने : पाकिस्तान में इससे पहले 3 सेना प्रमुख ऐसे रहे हैं जो बाद में देश के राष्ट्रपति बने। हालांकि, तीनों ही तख्तापलट करने के बाद ही राष्ट्रपति पद पर पहुंचे थे। पाकिस्तान में आज तक कोई भी प्रधानमंत्री 5 साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया है।

अयूब खान तख्तापलट 1958
1958-69
जिया-उल-हक तख्तापलट 1977
1978-88
परवेज मुशर्रफ तख्तापलट 1999
2001-08

अदालत ने 10 लोगों को 141-141 साल की सजा सुनाई, सभी कार्टेल संचालित भर्ती फार्म पर जघन्य अपराध के दोषी

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। मैक्सिको की एक अदालत ने मंगलवार को 10 लोगों को 141 साल और तीन महीने की जेल की सजा सुनाई। ये सभी लोग पश्चिमी मैक्सिको के जलिस्को राज्य के एक फार्म हाउस पर खतरनाक अपराधी गिरोह जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल (सीजेएनजी) के लिए लोगों की भर्ती, हत्या और लाश गायब करने के मामलों में शामिल थे।

क्या है मामला? : जलिस्को राज्य में में मौजूद इसागुइरे रैंच (फार्म हाउस) का इस्तेमाल साल 2021 से अपराधियों की भर्ती और ट्रेनिंग के लिए किया जा रहा था। इसी साल इस फार्म हाउस का खुलासा हुआ, जिससे पूरे इलाके में डर और दहशत फैल गई। सितंबर 2024 में फार्म हाउस पर पहली बार छापा मारा गया था और वहां से 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। अब उन्हें तीन लोगों के अपहरण और हत्या के मामले में दोषी पाया गया है।

दोषियों को सजा, पीड़ितों को मुआवजा : अदालत ने हर दोषी को 141 साल तीन महीने की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, 13 लाख मेक्सिकन पेसो (लगभग ?54 लाख रुपये) पीड़ितों के परिवार को मुआवजा देने का भी आदेश दिया गया है।

अब भी पांच आरोपी जेल में : इस केस में अभी भी पांच अन्य लोग आरोपों का सामना कर रहे हैं। जिसमें तीन स्थानीय पुलिस अधिकारी हैं, एक गिरोह का सदस्य जो नई भर्ती करता था और टेउचिटलान नगर के मेयर जोस मुरगुइया सैंटियागो शामिल हैं। खास बात ये है कि जलिस्को की मानवाधिकार संस्था ने साल 2021 में ही स्थानीय प्रशासन को चेताया था कि यह फार्म हाउस खतरनाक गिरोह चला रहा है। लेकिन नगर प्रशासन ने कोई कदम नहीं उठाया। इसके बाद मेयर को गिरफ्तार कर लिया गया।

मानव अवशेष और जले हुए कपड़ों का खुलासा : मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के एक समूह ग्युरेरोस बुस्काडोरेस डी जलिस्को ने इस साल 5 मार्च को फार्म हाउस से जली हुए मानव अवशेष और सैकड़ों कपड़े-चप्पल बरामद किए। यह देखकर लोगों में गुस्सा और डर फैल गया। इस खुलासे के बाद यह भी सामने आया कि जलिस्को की राज्य पुलिस ने शुरुआती छापे के बाद महीनों तक कोई जांच आगे नहीं बढ़ाई थी। अंततः नेशनल गार्ड ने मोर्चा संभाला और 10 लोगों को गिरफ्तार किया।

17 इंसानों के अवशेष जांच जारी : इस मामले को लेकर सरकार की काफी आलोचना हुई है। अप्रैल में मैक्सिको के अटॉर्नी जनरल अलेजांद्रो गेर्ट्ज मानेरो ने कहा फार्म हाउस में किसी प्रकार का शवदाह स्थल नहीं मिला। इस पर कार्यकर्ताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी और दावा किया कि उन्होंने वहां से 17 इंसानों के जले हुए अवशेष बरामद की हैं, जो अब फॉरेंसिक टीमों के पास हैं।

तालिबान नेताओं के खिलाफ आईसीसी ने गिरफ्तारी वारंट जारी किए

हेग/काबुल, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) ने 8 जुलाई को तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबातुल्लाह अखुंदजादा और अफगानिस्तान के चीफ जस्टिस अब्दुल हकीम हक्कानी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। इन दोनों पर अफगान महिलाओं, लड़कियों और तालिबान की कठोर जेंडर नीतियों का विरोध करने वालों पर अत्याचार करने का आरोप है। ये वारंट मानवता के खिलाफ अपराधों के तहत जारी किए गए हैं। यह पहली बार है जब आईसीसी ने तालिबान के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ ऐसा कोई कानूनी कदम उठाया है। कोर्ट ने कहा कि

15 अगस्त 2021 से, जब तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता संभाली, तब से लेकर 20 जनवरी 2025 तक महिलाओं और लड़कियों पर कई गंभीर अपराध किए गए। इनमें हत्या, कैद, बलात्कार, यातना और जबरन गायब करना शामिल हैं। ये जुल्म सिर्फ लिंग के आधार पर ही नहीं बल्कि तालिबान विरोधी विचार रखने वालों पर भी हुए।

आईसीसी बोला- महिलाओं को शिक्षा से वंचित किया : कोर्ट ने कहा कि तालिबान ने विशेष रूप से लड़कियों और महिलाओं को निशाना बनाया। उन्हें शिक्षा, आवाजाही, निजता और धार्मिक अभिव्यक्ति जैसे बुनियादी अधिकारों से वंचित कर दिया। वारंट के मुताबिक इन महिलाओं और लड़कियों का समर्थन या तालिबान की नीतियों का विरोध करने वाले लोगों को भी भी सजा दी गई। आईसीसी ने साफ किया कि 'जेंडर आधारित उत्पीड़न' केवल हिंसा नहीं, बल्कि सरकारी नीतियों और सामाजिक नियमों के जरिए किया गया वह व्यवस्थित उत्पीड़न भी है। यह महिलाओं को बराबरी से वंचित करता है।

हालांकि, गिरफ्तारी वारंट को फिलहाल सील रखा गया है ताकि पीड़ितों और गवाहों की सुरक्षा बनी रहे, लेकिन कोर्ट ने इसकी जानकारी सार्वजनिक करना जरूरी समझा ताकि भविष्य में ऐसे अपराधों को रोका जा सके। कोर्ट ने कहा कि यह कार्रवाई आईसीसी के उस उद्देश्य का हिस्सा है, जिसमें कमजोर तबकों के खिलाफ हो रहे गंभीर और व्यवस्थित मानवाधिकार हनन को रोका जाए।

आईसीसी के पास गिरफ्तारी की पावर नहीं : आईसीसी ने यह वारंट जारी तो कर दिया है, लेकिन उसके पास संदिग्धों की गिरफ्तारी की शक्तियां नहीं हैं। वह सिर्फ उन देशों में अपने अधिकार का इस्तेमाल कर सकता है, जिन्होंने इस कोर्ट की स्थापना करने वाले समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

अफगानी महिलाओं के इबादत के वक्त तेज बोलने पर रोक : तालिबान ने पिछले साल महिलाओं के लिए एक नया फरमान जारी किया था। इसके मुताबिक महिलाओं के लिए तेज आवाज में इबादत करने पर रोक लगा दी गई। तालिबान के मंत्री मोहम्मद खालिद हनाफी ने यह आदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को कुरान की आयतें इतनी धीमी आवाज में पढ़नी होंगी कि उनके पास मौजूद दूसरी महिलाओं को यह सुनाई न दे। हनाफी ने कहा कि महिलाओं को तकबीर या अजान पढ़ने की इजाजत नहीं है तो फिर वे गाना भी नहीं गा सकतीं और न ही संगीत सुन सकती हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, हनाफी ने कहा- महिलाओं की आवाज औराह होती है, यानी कुछ ऐसा जिसे छिपाना जरूरी है।

सीबीआई ने आर्थिक अपराधी मोनिका कपूर को अमेरिका से किया गिरफ्तार

वॉशिंगटन, एजेंसी। सीबीआई ने कथित आर्थिक अपराधी मोनिका कपूर को अमेरिका से हिरासत में ले लिया है। 26 साल से फरार चल रही मोनिका को सीबीआई की टीम बुधवार रात भारत लाएगी। इसे भारतीयों एजेंसियों की एक बड़ी सफलता के तौर पर देखा जा रहा है।

अमेरिका से सीबीआई लेकर हुई रवाना : केंद्रीय एजेंसी अमेरिका से मोनिका कपूर को हिरासत में लेकर एक अमेरिकी एयरलाइंस की फ्लाइट से भारत रवाना हो चुकी है। सीबीआई की इस टीम के बुधवार रात तक भारत पहुंचने की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि न्यूयॉर्क स्थित यूनाइटेड स्टेट्स डिस्ट्रिक्ट कोर्ट (ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट) ने भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय प्रत्यर्पण संधि के तहत उनके प्रत्यर्पण को मंजूरी दी थी। अमेरिकी विदेश मंत्री ने मोनिका कपूर के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर उन्हें भारत वापस लाया गया तो उन्हें प्रताड़ित किया जा सकता है, इसलिए उनका प्रत्यर्पण 1998 के विदेश मामलों के सुधार और पुनर्गठन अधिनियम द्वारा लागू किए गए संयुक्त राष्ट्र यातना विरोधी कन्वेंशन का उल्लंघन होगा।

धोखाधड़ी के बाद अमेरिका भाग गई थी मोनिका

मोनिका कपूर 1999 में कथित धोखाधड़ी के बाद अमेरिका भाग गई थी। उस पर आरोप है कि उन्होंने अपने दो भाइयों के साथ मिलकर ज्वेलरी व्यवसाय के लिए फर्जी दस्तावेज बनाए, जिनका इस्तेमाल भारतीय सरकार से कच्चे माल के शुल्क-मुक्त आयात के लाइसेंस लेने में किया गया। इस कथित धोखाधड़ी से भारतीय राजस्व को 6.79 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 5.7 करोड़ रुपये) से अधिक का नुकसान हुआ था। भारत ने अक्तूबर 2010 में अमेरिका से मोनिका कपूर के प्रत्यर्पण का अनुरोध किया था, जो दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि के तहत किया गया था।

क्या है पूरा मामला? : मोनिका कपूर दिल्ली की ओवरसीज नाम की फर्म की मालकिन है। सीबीआई का कहना है कि मोनिका ने अपने भाइयों राजन खन्ना और राजीव खन्ना के साथ मिलकर नकली एक्सपोर्ट दस्तावेज, जैसे शिपिंग बिल, चालान (इनवॉइस) और बैंक सर्टिफिकेट बनवाए। इन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर उन्होंने सरकार से ड्यूटी-फ्री सोना (गोल्ड) आयात करने के लिए छह लाइसेंस लिए, जिनकी कीमत 2.36 करोड़ रुपये थी। फिर इन लाइसेंसों को उन्होंने गुजरात के दीप एक्सपोर्ट्स नाम की कंपनी को ऊंचे दाम पर बेच दिया। इस कंपनी ने इन लाइसेंसों का इस्तेमाल कर ड्यूटी-फ्री सोना मंगवाया, जिससे सरकार को लगभग 1.44 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

2004 में चार्जशीट, 2006 में घोषित अपराधी : सीबीआई ने जांच पूरी होने के बाद 31 मार्च 2004 को मोनिका कपूर और उनके दोनों भाइयों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराएं 120-ब (षड्यंत्र), 420 (धोखाधड़ी), 467, 468 और 471 के तहत चार्जशीट दाखिल की थी। इसके बाद दिल्ली की साकेत कोर्ट ने 20 दिसंबर 2017 को राजन खन्ना और राजीव खन्ना को दोषी करार दे दिया। लेकिन मोनिका कपूर जांच में शामिल नहीं हुईं। कोर्ट ने 13 फरवरी 2006 को उन्हें घोषित अपराधी घोषित कर दिया और 2010 में उनके खिलाफ गिरफ्तारी का खुला गैर-जमानती वारंट और रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया।

अमेरिका से प्रत्यर्पण की बड़ी सफलता : सीबीआई ने अमेरिका से मोनिका कपूर के प्रत्यर्पण के लिए 19 अक्तूबर 2010 को औपचारिक अनुरोध भेजा था। कई वर्षों की बातचीत और समन्वय के बाद अब अमेरिका ने मोनिका को भारत को सौंप दिया है। सीबीआई की एक टीम अमेरिका जाकर उन्हें हिरासत में लेकर वापस भारत ला रही है।

विनाशकारी बाढ़ में अब तक 109 मौतें, 160 से अधिक अभी भी लापता, ट्रंप शुक्रवार को दौरा कर सकते हैं

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिका के न्यू मेक्सिको राज्य में मंगलवार को तेज बारिश के बाद कई इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई। बाढ़ का सबसे ज्यादा असर रुडोसो नाम के पहाड़ी गांव में दिखा, जहां बहाव इतना तेज था कि कई घर बह गए और कई लोग फंसे रह गए। राहत-बचाव टीमें लगातार काम में जुटी हैं। अमेरिका के मध्य टेक्सास में ग्वाडालूप नदी में आई अचानक बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने कहा कि बाढ़ से 109 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 160 से अधिक लोग लापता हैं।

नेशनल वेदर सर्विस ने रुडोसो और उसके आसपास के इलाकों के लिए फ्लैश फ्लड इमरजेंसी जारी की है। ये वही क्षेत्र है, जहां पिछले साल जंगल में आग लगी थी और हजारों एकड़ जंगल जलकर राख हो गया था। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि अब तक किसी मौत की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन तीन लोग अस्पताल में भर्ती हैं। कई लोगों को बहते पानी और घरों से सुरक्षित बाहर निकाला गया है, लेकिन अब तक यह साफ नहीं है कि कुल कितने लोग लापता हैं।

तेज बहाव, उफनती नदी और टूटी सड़कें : रियो रुडोसो नदी के किनारे बसे इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक नदी का जलस्तर मंगलवार दोपहर 3 बजे करीब डेढ़ फीट था, जो एक घंटे से भी कम समय में 20 फीट तक पहुंच गया। इसके बाद पानी का स्तर धीरे-धीरे गिरने लगा, लेकिन तब तक कई घर बह चुके थे और सड़कों पर आवाजाही रुक गई थी। नेशनल वेदर सर्विस ने चेतावनी जारी कर कहा- रुडोसो में खतरा बना हुआ है। फ्लैश फ्लड इमरजेंसी जारी है। तुरंत ऊंचाई वाले स्थानों की ओर जाएं। पानी में गाड़ी न चलाएं, बहाव आपकी गाड़ी को बहा ले जाएगा। टेक्सास राज्य में 4 जुलाई को वीकेंड पर आई अचानक बाढ़ घर और कैंप डूबने से अब तक 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। राहत-बचाव दल लगातार लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। यहां से अब तक 87 शव बरामद किए जा चुके हैं। इनमें 56 वयस्क और 30 बच्चे शामिल हैं। कुछ शवों की पहचान

अब तक नहीं हो सकी है।

अब भी बाढ़ पीड़ितों की तलाश कर रहे अधिकारी : सरकारी अधिकारी अब भी बाढ़ के पीड़ितों की तलाश कर रहे हैं। इस बीच, यह सवाल भी उठ रहा है कि बाढ़ से पहले मौसम की चेतावनी किसने दी और कब दी। लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस पर कुछ नहीं बोल रहे हैं और कह रहे हैं कि अभी सबसे जरूरी काम लोगों को बचाना है।

केर काउंटी में अब तक 87 शव मिल चुके : केर काउंटी, जहां सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, वहां अब तक 87 लोगों के शव मिल चुके हैं। लेकिन अफसर कह रहे हैं कि उनकी पहली प्राथमिकता लापता लोगों को ढूंढना है, न कि यह जांच करना कि बाढ़ से पहले क्या-क्या हुआ। टेक्सास गेम वार्डन के लेफ्टिनेंट कर्नल बेन बेकर ने कहा, हम अभी लोगों को सुरक्षित उनके घर पहुंचाने पर ध्यान दे रहे हैं।

केर काउंटी में पिछले चार दिनों ने कोई जिंदा नहीं मिला : जीवित बचे लोगों को खोजने की उम्मीद लगातार कम होती जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि केर काउंटी में बाढ़ के बाद पिछले चार दिनों से कोई भी जिंदा नहीं मिला है।

शुक्रवार को टेक्सास का दौरा करेंगे राष्ट्रपति ट्रंप : टेक्सास के गवर्नर एबॉट ने मंगलवार को कैंप मिस्टिक का एक और दौरा करने की योजना बनाई है। यह एक सौ साल पुराना ऑल-गर्ल्स क्रिश्चियन समर कैंप है, जहां केवल लड़कियां आती हैं। बाढ़ के दौरान वहां 27 लड़कियों और स्टाफ की मौत हो गई थी। अभी भी पांच लड़कियां और एक स्टाफ सदस्य लापता हैं। वहीं, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुक्रवार को टेक्सास का दौरा करेंगे। उन्होंने इस बाढ़ को एक अभूतपूर्व घटना बताया है।

अधिकारियों की चेतावनी के बाद भी बचाव कार्य में जुटे स्वयंसेवक

टेक्सास हिल कंट्री में 4 जुलाई की छुट्टियों के दौरान आई अचानक बाढ़ ने तबाही मचा दी। इस भीषण आपदा के बाद राज्य के इतिहास के सबसे बड़े बचाव अभियानों में से एक की शुरुआत हुई। सोमवार तड़के, जब जस्टिन रुबियो ने जोरदार गरज, मोबाइल अलर्ट, सायरन और हेलिकॉप्टर की आवाज सुनी तो वह जाग गए और उन्होंने तय किया कि वह भी राहत कार्यों का हिस्सा बनेंगे। हालांकि, केर काउंटी प्रशासन ने नागरिकों से बचाव कार्यों में शामिल न होने की अपील की थी, लेकिन जस्टिन जैसे दर्जनों स्थानीय लोग लापता लोगों की तलाश में निकल पड़े। सरकारी रोक के बावजूद आम लोग मानवीय भावना से प्रेरित होकर खतरे के बीच फंसे लोगों की मदद कर रहे हैं। प्रशासन की कोशिशों के साथ अब आम नागरिकों का भी साथ इस अभियान को और मजबूत बना रहा है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत बीजेपी में गुटबाजी उजागर

पश्चिम विधानसभा के कार्यक्रम में विधायक पूर्णेश मोदी का नाम गायब

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत बीजेपी में गुटबाजी थमने का नाम नहीं ले रही है। हाल ही में बीजेपी कार्यालय में दो पार्षदों के बीच हुई गाली-गलौच की घटना को गुटबाजी का नतीजा माना गया था। अब जबकि दोनों पार्षदों को शो कॉज नोटिस भेजे गए हैं, फिर भी अंदरूनी खींचतान जारी है। इसी क्रम में आगामी दिनों में सूरत बीजेपी अध्यक्ष परेश पटेल के जन्मदिवस के मौके पर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में आयोजित "सेवा सेतु कार्यक्रम" का निमंत्रण पत्र चर्चा में आ गया है। कारण यह है कि इस पत्र में पश्चिम के विधायक पूर्णेश मोदी का नाम नहीं है, जिससे बीजेपी की आंतरिक गुटबाजी खुलकर सामने आ गई है।

शहर अध्यक्ष परेश पटेल के जन्मदिन पर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र स्थित बद्रीनारायण मंदिर में सेवा सेतु, मेडिकल कैंप, रक्तदान शिविर और मुफ्त दवा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

निमंत्रण पत्र में बीजेपी नेता धर्मेश वाणीवायाला और पार्षद दिव्या राठौड़ को आयोजक के रूप में दर्शाया गया है। हलकों में यह चर्चा गर्म हो गई है कि सूरत बीजेपी में गुटबाजी अब खुलकर सामने आ गई है और अधिक आक्रामक रूप ले चुकी है।

इस पूरे घटनाक्रम ने यह संकेत दिया है कि सूरत बीजेपी में आंतरिक मतभेद बढ़ते जा रहे हैं और आने वाले समय में यह गुटबाजी संगठन के लिए चुनौती बन सकती है।

पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में लंबे समय से बीजेपी की ओर से मोंढ वणिक समाज को प्रतिनिधित्व मिलता रहा है। ऐसे में इस समाज से बड़ा नेता बनने की होड़ ने बीजेपी के भीतर गुटबाजी को जन्म दिया है। पहले यह गुटबाजी पर्दे के पीछे रहती थी, लेकिन अब यह सार्वजनिक होती जा रही है। इसका ताज़ा उदाहरण सेवा सेतु कार्यक्रम का निमंत्रण पत्र है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर चल रहे "सेवा पखवाड़ा" की तर्ज पर अब बीजेपी नेता भी अपने जन्मदिन पर सेवा के कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। इसी क्रम में 15 जुलाई को बीजेपी सूरत कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल करेंगे, और राज्य सरकार के मंत्री हर्ष संघवी, मुकेश पटेल, प्रफुल पानसेरिया, सूरत सांसद मुकेश दलाल और मेयर दक्षेश मावाणी की उपस्थिति रहेगी। विशिष्ट अतिथियों में विधायक संदीप देसाई, संगीता पाटिल और नगर निगम के अन्य पदाधिकारी शामिल होंगे।

यह कार्यक्रम पूरी तरह से पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में आयोजित हो रहा है, बावजूद इसके उस क्षेत्र के मौजूदा विधायक पूर्णेश मोदी का नाम आमंत्रण पत्र में कहीं नहीं है। इससे राजनीतिक

लसकाणा की 'महादेव मोबाइल' चोरी का राज़ खुला

2 रिश्तेदार भाई 30 चोरी के मोबाइल के साथ पकड़े गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के लसकाणा इलाके में स्थित 'महादेव मोबाइल' शॉप से हुई मोबाइल चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में उत्तर प्रदेश से मज़दूरी के लिए आए दो रिश्तेदार भाइयों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके पास से कुल 30 चोरी के मोबाइल फोन मिला लेकिन पर्याप्त पैसे नहीं मिलने के कारण वे आर्थिक तंगी का सामना कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें लालच आया और उन्होंने लसकाणा स्थित 'महादेव मोबाइल' दुकान को निशाना बनाकर चोरी की योजना बनाई।

पुलिस ने जब सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी मदद से जांच की तो आरोपियों की पहचान हो गई। बाद में उन्हें गिरफ्तार कर उनके पास से 30

बरामद किए गए हैं।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी दो कुटुंबिक (रिश्तेदार) भाइयों के रूप में हुई है, जो कुछ समय पहले ही रोज़गार की तलाश में सूरत आए थे। शुरुआत में उन्हें काम

यूपी से मज़दूरी के लिए आए आरोपियों ने पैसों की तंगी में लालच में आकर की चोरी

महंगे मोबाइल फोन जब्त किए गए, जिन्हें उन्होंने अलग-अलग जगहों से चोरी किया था।

फिलहाल पुलिस उनसे यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या उन्होंने किसी अन्य जगह भी चोरी की थी और क्या इन मोबाइलों को बेचने का कोई नेटवर्क उनके पास था।

इस पूरी कार्रवाई से पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है और लसकाणा क्षेत्र में मोबाइल चोरी की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगने की उम्मीद है।

सूरत में 20 साल पहले प्रेमिका की हत्या कर फरार आरोपी तेलंगाना से गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में 20 वर्ष पहले अपनी प्रेमिका की हत्या कर फरार हुए आरोपी को सूरत शहर की पीसीबी (पुलिस क्राइम ब्रांच) ने 1100 किलोमीटर दूर तेलंगाना के एक गांव से गिरफ्तार किया है। गांजे के पैसों के बंटवारे को लेकर हुए झगड़े में उसने प्रेमिका की हत्या की थी। आरोपी हत्या से पहले और बाद में भी गांजे के अवैध धंधे में लिप्त रहा है। वह 2021 में NDPS एक्ट के तहत दर्ज मामले में तीन साल की सजा काट चुका है।

वर्ष 2005 में महिधरपुरा पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई हत्या के इस मामले में बीते 20 सालों से फरार चल रहा आरोपी वेंगल राजप्पा उर्फ वी. राजन उर्फ वेंगला राजन्ना (उम्र 55), जो तेलंगाना राज्य के वारंगल जिले के रेगोंडा तालुका स्थित निजामपल्ली गांव का निवासी है, को पुलिस ने उसके गांव से गिरफ्तार किया है।

आरोपी के संबंध में सूचना मिलने पर उसकी पुष्टि की गई। जानकारी सही पाए जाने पर उच्चाधिकारियों की लिखित अनुमति लेकर पुलिस की एक टीम को तत्काल तेलंगाना रवाना किया गया। टीम ने दो दिनों तक आरोपी के गांव में अलग-अलग स्थानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया और आखिरकार आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता पाई।

पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि वर्ष 2004-05 में वह और उसकी प्रेमिका प्रमीला गांजा लेकर सूरत रेलवे स्टेशन आए थे और नीलकंठ गेस्ट हाउस में ठहरे थे। वहीं गांजे के पैसों को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ, जिसमें गुस्से में आकर आरोपी ने प्लास्टिक की रस्सी से प्रेमिका प्रमीला का गला घोंट कर हत्या कर दी और फरार हो गया।

गौरतलब है कि आरोपी वेंगल राजप्पा के खिलाफ 2019 में तेलंगाना के रेगोंडा में NDPS एक्ट के तहत भी मामला दर्ज किया गया था और वह 2021 में उस मामले में तीन साल जेल की सजा काट चुका है। चूंकि वह महिधरपुरा पुलिस स्टेशन में दर्ज हत्या के मामले में वांछित था, उसे विधिक प्रक्रिया के तहत महिधरपुरा पुलिस के हवाले किया जा रहा है।

इस 20 साल पुराने हत्या के मामले का भेद खुलने पर सूरत पुलिस विभाग में संतोष और सफलता का माहौल है।

सूरत में 9 साल पुराना ब्रिज गुणवत्ता पर उठे सवाल 7 करोड़ रुपये की लागत से रिपेयर होगा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वडोदरा के पादरा-जंबूसर के बीच गंभीर ब्रिज हादसे के बाद राज्यभर में जर्जर ब्रिजों की मरम्मत की मांग उठने लगी है। इसी बीच, सूरत में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने नगर निगम के काम की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सूरत में 9 साल पहले बने एक BRTS ब्रिज की मरम्मत (पुनर्वास) पर 7 करोड़ रुपये खर्च करने का फैसला किया गया है। इतने कम समय में करोड़ों की लागत से बने ब्रिज की मरम्मत की जरूरत क्यों पड़ी, यह एक बड़ा सवाल बन गया है।

यह मामला सूरत के अनुव्रत फ्लायओवर ब्रिज का है, जिसे 2016 में BRTS प्रोजेक्ट के तहत 55 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया था। मोरबी ब्रिज हादसे के बाद राज्यभर के सभी ब्रिजों की हेल्थ चेकिंग के आदेश जारी किए गए थे। हालांकि, सूरत नगर निगम ने हादसे से पहले ही ब्रिज का हेल्थ चेकअप शुरू कर दिया था। इस निरीक्षण के दौरान, निगम के प्री-मानसून और पोस्ट-मानसून निरीक्षण रिपोर्ट में ब्रिज की मुख्य स्ट्रक्चरल हिस्सों को कमजोर पाया गया। महज 9 साल में इस ब्रिज की मरम्मत की जरूरत सामने आने से कई सवाल उठ खड़े हुए हैं।

सामान्यत: नगर निगम द्वारा करोड़ों रुपये की लागत से बनाए जाने वाले ब्रिज की उम्र 20 से 25 साल मानी जाती है। ऐसे में महज 9 साल में ही इस ब्रिज को 7 करोड़ रुपये की लागत से मरम्मत की जरूरत पड़ना आश्चर्यजनक है। ब्रिज के सीसी स्ट्रक्चर को डैमेज बताया गया है।

55 करोड़ की लागत से बना यह ब्रिज यदि 9 साल में ही जर्जर हो गया, तो इसके निर्माण से जुड़ी एजेंसी (रणजीत कंस्ट्रक्शन, जो शहर में अन्य प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रही है), अधिकारियों और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट (PMC) की भूमिका पर सवाल खड़े होते हैं। क्या उस समय कोई गड़बड़ी की गई थी, या फिर गलत निर्णय लिए जा रहे हैं? इसकी जिम्मेदारी शासक दल भाजपा की भी बनती है।

सूरत नगर निगम ने लगभग 7 करोड़ रुपये की लागत से इस ब्रिज की मरम्मत करने का निर्णय लिया है और अगले एक-दो दिनों में वर्क ऑर्डर भी जारी कर दिया जाएगा। हालांकि, इतने कम समय में ब्रिज की मरम्मत की जरूरत क्यों पड़ी, इसका स्पष्ट जवाब अभी तक निगम नहीं दे सका है, जिससे जनता में चिंता और कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

क्या सूरत में ड्रेनेज विभाग की नोटिस से सरकार के फैसले को चुनौती दी जा रही है?

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में हाल ही में आई खाड़ी बाढ़ के बाद यह मुद्दा राज्यभर में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोगों में भारी आक्रोश है। इसी संदर्भ में हाल ही में केंद्रीय मंत्री की अध्यक्षता में एक समन्वय बैठक आयोजित हुई थी, जिसमें खाड़ी बाढ़ का मुद्दा प्रमुख रहा। केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि खाड़ी बाढ़ की जिम्मेदारी सिंचाई विभाग की है और इस पर उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाई। इसके बावजूद, सिंचाई विभाग ने खाड़ी बाढ़ की जिम्मेदारी नगर निगम पर डालने की कोशिश करते हुए पालिका को एक नोटिस जारी की है। इस नोटिस के बाद ड्रेनेज विभाग के कार्यपालक इंजीनियर द्वारा सरकार के फैसले को परोक्ष रूप से चुनौती दी गई है, ऐसा प्रतीत हो रहा है।

खाड़ी बाढ़ की जिम्मेदारी से बचने के प्रयास में सिंचाई विभाग ने सूरत नगर निगम को एक नोटिस भेजी है। इसमें वड़ा वराछा इलाके में एक प्रोजेक्ट का हवाला देते हुए आरोप लगाया गया है कि पालिका ने नदी के कंस्ट्रक्शन ज़ोन में निर्माण की अनुमति दी थी।

ड्रेनेज विभाग का कहना है कि तापी नदी की सीमा से 30 मीटर के भीतर आने वाले क्षेत्र को कंस्ट्रक्शन ज़ोन माना गया है, जिसमें फाइनल प्लॉट आवंटित कर निर्माण की अनुमति दी गई, जो गलत है।

लेकिन नगर निगम का कहना है कि अनुमोदित डिवेलपमेंट प्लान (DP-2035) और सरकार द्वारा स्वीकृत टीपी स्कीम नं. 25 (वड़ा वराछा) के अनुसार, नदी की सीमा के बाद 30 मीटर का टीपी रोड है और फिर भी डिवेलपर को नियमों के तहत 12 मीटर का मार्जिन छोड़ना अनिवार्य है। इस हिसाब से नदी की सीमा से प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य 42 मीटर की दूरी पर हो रहा है। यानी, नियमानुसार सब कुछ किया गया है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि उक्त टीपी स्कीम को सरकार ने स्वयं फाइनल मंजूरी दी है, और डिवेलपमेंट प्लान में नदी की सीमा को भी सरकार ने ही तय किया है। इसके बावजूद सिंचाई विभाग द्वारा पालिका को जो नोटिस दी गई है, वह अप्रत्यक्ष रूप से सरकार के ही फैसले को चुनौती देने जैसा है — ऐसी चर्चाएं ज़ोर पकड़ रही हैं।

खाड़ी और नदी की भूमि सरकार की संपत्ति है। अगर वहां कोई अवैध निर्माण होता है तो उसे हटाने की जिम्मेदारी भी सिंचाई विभाग की बनती है। बैठक के दौरान ड्रेनेज विभाग ने खाड़ी के किनारे बने निर्माणों को लेकर एक प्रेजेंटेशन भी दिया। यदि सिंचाई विभाग के पास अवैध निर्माण हटाने के लिए मैनपावर या मशीनरी नहीं है, तो वह जिला प्रशासन या सूरत पालिका की मदद ले सकता है।

इसलिए, खाड़ी या नदी में होने वाले अतिक्रमण को हटाने की सीधी जिम्मेदारी सिंचाई विभाग की ही है। यही कारण है कि केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटील ने इस मामले में सिंचाई विभाग की कड़ी फटकार लगाई थी।

निष्कर्ष: इस पूरे विवाद से यह संकेत मिल रहा है कि सिंचाई विभाग अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिए नगर निगम पर दोष मढ़ रहा है, और जो नोटिस दी गई है, वह सरकार द्वारा स्वीकृत योजना और निर्णयों के ही विरुद्ध प्रतीत हो रही है।

वडोदरा जैसी दुर्घटना से पहले सूरत के कामरेज स्थित तापी ब्रिज की तुरंत मरम्मत जरूरी: कुमार कानाणी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वडोदरा हाईवे पर हुई गंभीर दुर्घटना के बाद अब सूरत का तापी ब्रिज चर्चा में आ गया है। आम नागरिकों द्वारा इसे खतरनाक बताया जाने के बाद अब सूरत के विधायक ने भी इस ब्रिज को जोखिमपूर्ण करार दिया है। वडोदरा-पादरा जैसी दुर्घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए कामरेज के तापी ब्रिज पर लगी अस्थायी लोहे की प्लेट को हटाकर तत्काल मरम्मत कार्य शुरू करने की जरूरत है — ऐसा स्पष्ट मत वराछा रोड के विधायक कुमार कानाणी ने व्यक्त किया है।

कामरेज स्थित तापी नदी पर बने ब्रिज को लेकर विधायक कुमार कानाणी ने बताया कि इस ब्रिज के बीचों-बीच लोहे की एक प्लेट लगाई गई है। जब शुरुआत में यह प्लेट डाली गई थी तब उसकी चौड़ाई लगभग 1 फुट थी, लेकिन अब यह बढ़कर 7 फुट हो चुकी है। इसका सीधा मतलब यह है कि ब्रिज की क्षति धीरे-धीरे बढ़ रही है और अस्थायी प्लेट का दायरा भी बड़ा होता जा रहा है। विधायक ने कहा कि जब वाहन इस प्लेट पर से गुजरते हैं तो वह ऊपर-नीचे डगमगाती है, जिससे ब्रिज के कमजोर होने का अंदेशा और पुख्ता होता है।

उन्होंने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि हाईवे अथॉरिटी ट्रैफिक की समस्या से बचने के लिए फिलहाल प्लेट से काम चला रही है, लेकिन सवाल यह है कि इस तरह कब तक काम चलाया जाएगा?

विधायक ने यह भी कहा कि अगर आज ट्रैफिक की समस्या होती है, तो कल भी हो सकती है — लेकिन अगर मरम्मत नहीं की गई तो एक बड़ी दुर्घटना हो सकती है। इसलिए थोड़े समय के लिए ट्रैफिक डायवर्जन करके या लोगों को थोड़ी असुविधा सहन करवा कर भी इस ब्रिज की मरम्मत तुरंत शुरू की जानी चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि यह काम आज नहीं तो कल करना ही पड़ेगा — तो बेहतर यही होगा कि इसे दुर्घटना के पहले ही कर लिया जाए। यदि लोहे की प्लेट को निकालकर ब्रिज की मरम्मत अभी की जाती है, तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा टाला जा सकता है।

इस प्रकार, विधायक कुमार कानाणी ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि वडोदरा की तरह कोई दुर्घटना सूरत में न हो, इसके लिए अब और देरी न करते हुए कामरेज के तापी ब्रिज की मरम्मत कार्य तुरंत शुरू किया जाए।

रुचिका रुंगटा अध्यक्ष, प्रीति गोयल सचिव बनी अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा की नई कार्यकारिणी का गठन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन गुरुवार को दोपहर तीन बजे से सिटी-लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के वृंदावन हॉल में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण के साथ हुई। इसके पश्चात निवर्तमान अध्यक्षा सोनिया गोयल द्वारा च्यादगार लम्हेंज द्वारा सभी का स्वागत किया गया एवं सचिव द्वारा गत वर्ष के कार्यो की रिपोर्ट पेश की गई। साधारण सभा में महिला शाखा की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में रुचिका रुंगटा को अध्यक्ष, अनुराधा जालान को उपाध्यक्ष, प्रीति गोयल को सचिव, शालिनी चौधरी को कोषाध्यक्ष, आरती मित्तल को सहसचिव एवं सरोज अग्रवाल को सहकोषाध्यक्ष बनाया गया। इस वर्ष महिला शाखा में पॉवर टीम भी बनायी गई। जिसमें दीपाली सिंघल, सीमा कोकरा, शकुन अग्रवाल, नेहा अग्रवाल एवं सीमा बघेरिया को शामिल किया गया।

आयोजन में सभी बोर्ड मेंबर्स को अलग अलग टाइटल्स से नवाज़ा गया एवं गेम्स भी खिलाये गए। वार्षिक साधारण सभा में महिला शाखा के सदस्यों के अलावा अग्रवाल विकास ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहें।